RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 33 ता.28 जूलाई 2021, बुधवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

हैदराबाद में डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन, कोविड रोगी के परिजनों ने सहकर्मी पर किया है हमला

हैदराबाद। एरागडा चेस्ट अस्पताल (हैदराबाद) के डॉक्टरों ने मंगलवार को एक कोविड रोगी के परिजनों द्वारा एक सहकर्मी पर कथित हमले के बाद विरोध प्रदर्शन किया। रोगी की जांच करने के बाद, डॉक्टर ने उसके साथ आए लोगों से पूछा कि क्या रोगी ने अपनी रक्तचाप की दवा ली है? बस इतनी ही बात पूछते ही परिजन भड़क गए। एर्रागडा अस्पताल में पोस्ट ग्रेजुएट रेजिडेंट डॉक्टर डॉ प्रणय ने बताया कि वहां मौजूद भड़के हुए लोग बोले कि यह आपका काम है, हमारा नहीं। समाचार एजेंसी एएनआइ से बात करते हुए डॉ प्रणय ने कहा कि पोस्ट ग्रेजुएट रेजिडेंट डॉक्टर का मास्क मरीजों के परिचारकों द्वारा फाड़ा गया और उन्हें थप्पड़ मारा गया और सीओवीआईडी वार्ड में मरीजों के परिचारकों द्वारा पेट पर लात भी मारी गई। डॉ प्रणय ने बताया कि सौभाग्य से, वार्ड में अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद थे जिन्होंने उन्हें बचाया, उन्हें उठाया और वार्ड से बाहर लाया गया। मरीजों के परिवारों द्वारा डॉक्टरों की पिटाई की विभिन्न घटनाओं का जिक्र करते हुए, डॉ प्रणय ने कहा, ऐसा बहुत बार हुआ है, हर बार ऐसा कुछ होता है हम विरोध करना छोड़ देते हैं, लेकिन मुद्दा कमजोर हो जाता है। उन्होंने कहा कि हम सरकारों से सुरक्षा की मांग करते रहे हैं लेकिन हमें नहीं मिली। डॉ प्रणय ने आगे कहा कि डॉक्टरों ने प्रशासन से बात की है और उन्हें अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि मरीज के परिवार के सदस्यों के खिलाफ संस्थागत प्राथमिकी दर्ज की गई है या नहीं। एएनआइ से बात करते हुए, डॉ प्रणय ने लोगों से अनुरोध किया कि जब वे अस्पताल में हों तो कृपया अपना विवेक बनाए रखें क्योंकि एक डॉक्टर वह सब कुछ कर रहा है जो वह कर सकता है और न कि बेतरतीब ढंग से आकर डॉक्टर को पीटें। डॉक्टरों को हिंसा के खिलाफ जीरो टॉलरेंस, सेव द सेवियर जैसे संदेशों से पहचाना गया है।

बीजेपी संसदीय दल की बैठक में बोले पीएम मोदी-

'कांग्रेस न सदन चलने देती है, ना चर्चा होने देती है'

पीएम ने कहा कि आजादी के 75 साल पूरे होने पर जनता के बीच जाकर कहें कि देश के लिए जीना है, देश के लिए काम करना है. साथ ही जनता के बीच ये संदेश भी दें कि अधिकार का भाव नहीं, कर्तव्य का भाव पैदा करें.

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी संसदीय दल की बैठक में कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ना तो सदन चलने देती है, ना चर्चा होने देती है। वैक्सीनेशन को लेकर जो सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी उसमें भी कांग्रेस शामिल नहीं हुई। पीएम ने सांसदों से कहा कि ये बातें 15 अगस्त के बाद वो जनता को बताएं।

पीएम ने कहा कि आजादी के 75 साल पूरे होने पर जनता के बीच जाकर कहें कि देश के लिए जीना है, देश के लिए काम करना है। साथ ही जनता के बीच ये संदेश भी दें कि अधिकार का भाव नहीं, कर्तव्य का भाव पैदा करें। पीएम ने कहा कि आजादी के 75 साल के मौके पर सांसद 75 गांव जाएं, वहां 75 घंटे रुके और लोगों के बीच देश की उपलब्धियां और तमाम चीजों के बारे में बताएं। यह कार्यक्रम सरकारी कार्यक्रम बनकर न रह जाए, इसका ध्यान रखें।

पीएम ने कहा कि इस कार्यक्रम में देश के जन-जन की भागीदारी हो। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडवीया ने भी संसदीय दल की बैठक ने कहा कि बच्चों की वैक्सीन अगस्त तक आने की संभावना है। बता दें कि 19 जुलाई से शुरू मॉनसून सत्र में अब तक हंगामा ही देखा गया है

पीएम ने कहा कि इस कार्यक्रम में देश के जन-जन की भागीदारी हो। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडवीया ने भी संसदीय दल की बैठक ने कहा कि बच्चों की वैक्सीन अगस्त तक आने की संभावना है। बता दें कि 19 जुलाई से शुरू मॉनसून सत्र में अब तक हंगामा ही देखा गया है। बीते दिनों पेगासस जासूसी कांड और ऑक्सीजन की कमी से एक भी मौत नहीं का मामला गरम रहा। राज्यसभा में TMC सांसद शांतनु सेन को मौजूद सत्र के शेष समय के लिए निलंबित किए जाने के मसले पर भी खूब घमासान मचा था। अब विपक्ष के पास असम-मिजोरम झड़प का नया मुद्दा है, जिसे लेकर वो सरकार को घेरने की तैयारी में है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी उद्धव ठाकरे को जन्मदिन की बधाई

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के जन्मदिन (27 जुलाई) के खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर राज्य के मुख्यमंत्री को बधाई दी है। हालांकि राज्य के मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र में भारी बारिश, बाढ़ और कोविड-19 महामारी को देखते हुए अपना जन्मदिन नहीं मनाने का निर्णय लिया है। बता दें कि जन्मदिन से दो दिन पहले ही मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा एक बयान जारी किया गया था जिसमें उद्धव ठाकरे ने कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की संभावना को देखते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से कोविड सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन करने और उनका जन्मदिन पर किसी भी तरह के सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए मना किया गया था। पश्चिमी महाराष्ट्र के कोंकण में प्राकृतिक आपदा लोगों पर कहर बनकर टूटी है जिसमें अब तक 192 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और 25 लोग अभी भी लापता हैं। ऐसी दुख की घड़ी में मुख?यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अपना जन्मदिन मनाने से मना कर दिया है। हालांकि कोई भी व्यक्ति इस खास मौके पर मुख्यमंत्री ठाकरे को सोशल मीडिया या ई मेल के जरिए बधाई संदेश दे सकता है। ठाकरे ने कहा है कि जन्मदिन की बधाई देने के लिए कोई व्यक्तिगत रूप से न मिले साथ ही बधाई संदेश देने के लिए किसी भी तरह के पोस्टर और होर्डिंग भी न लगाये जायें।

बच्चों के लिए परीक्षण में खरी उतरी स्वदेशी वैक्सीन

इमरजेंसी इस्तेमाल की मांगी मंजूरी

नई दिल्ली। कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बीच देश की एक और स्वदेशी वैक्सीन परीक्षण में खरी उतरी है। खास बात यह है कि जायकॉव-डी वैक्सीन 12 साल और इससे ज्यादा उम्र के बच्चों समेत सभी पर कारगर है। जायडस कैडिला कंपनी ने क्लीनिकल ट्रायल के बाद ड्रग्स कंट्रोलर जरनल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) से वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी मांगी है। कंपनी ने लाइसेंस के लिए आवेदन कर दिया है। इसके साथ ही कुछ औपचारिकताओं के बाद इस वैक्सीन को जल्द ही बाजार में उतारने की भी तैयारी है। जायकॉव-डी ने क्लीनिकल ट्रायल पास किए हैं। वैक्सीन को मान्यता देने वाली सेंट्रल ड्रग्स लैबोरेटरीकसौली ने बाकायदा अपनी वेबसाइट में इसकी पुष्टि की है। कंपनी ने क्लीनिकल ट्रायल के लिए वैक्सीन के बैच कसौली भेजे थे। अब कंपनी डीसीजीआई से इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी मिलते ही वैक्सीन के पब्लिक बैच जांच के लिए दोबारा सेंट्रल ड्रग्स लैबोरेटरी भेजेगी। यहां से अंतिम मंजूरी मिलने के बाद कंपनी तीसरी भारतीय वैक्सीन को बाजार में उतारेगी। सूत्रों के अनुसार विषय विशेषज्ञ समिति जल्द जायडस कैडिला द्वारा जमा किए गए डेटा के आधार पर अंतिम मंजूरी कुछ दिनों में दे सकती है। उल्लेखनीय है कि भारत में दो स्वदेशी वैक्सीन को-वैक्सीन, कोविशील्ड समेत रूसी वैक्सीन स्पुतनिक-वी को सीडीएल कसौली ने मान्यता दी है। सीडीएल कसौली से भारत में उत्पाद, आयात व निर्यात होने वाली वैक्सीन को मंजूरी मिलने के बाद ही बाजार में उतारा जाता है।

पहला टीका लगवाने के बाद 28वें दिन दूसरी और 56वें दिन लेनी होगी तीसरी डोज

जायकॉव-डी डीएनए आधारित वैक्सीन है। इसमें कोरोना वायरस का जेनेटिक कोड है जो टीका लगवाने वाले के शरीर में इम्यून सिस्टम को सक्रिय करता है। जायकॉव-डी तीन डोज वाला टीका है।

सावधान: फेसबुक ग्रुप के जरिए एक्टिव सिम कार्ड और ओटीपी बेच रहे जालसाज

नई दिल्ली। देशभर में साइबर जालसाज अलग-अलग तरीके से लोगों के साथ ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं तो कुछ ऐसे भी गैंग हैं जो इन बदमाशों को धोखाधड़ी के लिए जाली दस्तावेजों पर सक्रिय सिम कार्ड बेच रहे हैं। इन गैंग द्वारा ठगी की रकम जमा करने के लिए बैंक खाते खोलने के लिए जाली आधार कार्ड के साथ ही उससे लिंक मोबाइल की ओटीपी तक मुहैया कराई जा रही है। यह सबकुछ खुलेआम फेसबुक पर बने कई ग्रुप के जरिए हो रहा है, जिसका खुलासा दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने कुछ मामलों की जांच के दौरान किया है। लेकिन, नेटवर्क में शामिल आरोपियों द्वारा पूरी प्रक्रिया में जाली दस्तावेजों के इस्तेमाल के कारण साइबर सेल अभी तक एक भी बदमाश तक नहीं पहुंच पाई है।

इस तरह हुआ खुलासा-अभी तक ज्यादातर वारदात के लिए सिम कार्ड पश्चिमी यूपी के विभिन्न इलाकों से खरीदे जाते थे। लेकिन, साइबर सेल द्वारा ठगी के कई मामलों की जांच के दौरान पता चला है कि धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल सिम कार्ड अब फेसबुक ग्रुप

के जरिए खरीदे जा रहे हैं। उत्तर पश्चिम जिला साइबर सेल ने 16 जून को जिस फर्जी कॉल सेंटर का खुलासा कर दो भाइयों को गिरफ्तार किया था, वे नौकरी का झांसा देकर लोगों से ठगी करते थे। आरोपी फर्जी कागजात पर जारी सिम कार्ड का इस्तेमाल कर रहे थे जो उन्होंने एक फेसबुक ग्रुप के जरिए खरीदे थे। इसी तरह, मध्य जिला साइबर सेल की जांच में पता चला कि ठगी कर रहा मेवाती गिरोह फेसबुक ग्रुप के जरिए ओटीपी खरीदता है।

ओटीपी के 15 रुपये-इस तरह के ग्रुप में प्रति ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) 15 रुपये वसूले जा रहे हैं। हालांकि इसकी वैधता 30 से 90 सेकेंड तक के लिए ही होती है। ठगी में लिप्त गिरोह कई हजार ओटीपी एक बार में खरीदते हैं। वहीं, सिम कार्ड की कीमत चार सौ से लेकर आठ सौ रुपये प्रति सिम कार्ड तक होती है। यह ऑर्डर बड़ी मात्रा में दिया-लिया जाता है। सौ से कम संख्या होने पर ग्रुप में कोई बिक्री के लिए तैयार नहीं होता।

ओटीपी का इस्तेमाल-ऑनलाइन बैंक खाते खुलवाते समय आधार कार्ड का नंबर लिखना होता है। इसके बाद सत्यापन की प्रक्रिया के तहत स्वत- ही आधार से पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी चला जाता है। बैंक खातों के लिए जाली आधार कार्ड देने वाला गैंग यह ओटीपी भी उपलब्ध कराता है। हर बार ओटीपी के लिए आरोपी पांच सौ रुपये तक लेते हैं। इसी तरह ई-वॉलेट सक्रिय कराने के लिए भी ओटीपी बेची जाती है।

देश में कोरोना का एक और टीका 'कॉर्बेवैक्स' सितंबर तक हो सकता है उपलब्ध

नई दिल्ली। देश में कोरोना का एक और टीका सितंबर तक उपलब्ध हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक हैदराबाद दराबाद स्थित दवा कंपनी बायोलॉजिकल ई के भारत में सितंबर के अंत तक अपनी कोविड-19 वैक्सीन कॉर्बेवैक्स लॉन्च करने की उम्मीद है।

बायोलॉजिकल ई द्वारा बनाए जा रहे इस टीके का अभी तीसरे चरण का क्लिनिकल ट्रायल चल रहा है। इससे पहले इसके पहले और दूसरे ट्रायल में इस वैक्सीन को लेकर बेहतर नतीजे आए हैं। सरकार ने तीसरे चरण के नतीजों से पहले ही इसके ऑर्डर दे दिए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार ने एक लिखित जवाब में बताया कि सरकार ने घरेलू टीका निर्माण कंपनी बायोलॉजिकल ई को टीका विकसित करने के लिए वित्तीय मदद दी है। टीका अभी तीसरे चरण के परीक्षण के दौर पर है।

माना जा रहा है कि कंपनी टीके के इमरजेंसी यूज लाइसेंस (ईयूएल) के लिए अगस्त अंत तक आवेदन कर सकती है और इस साल के अंत तक सरकार को 30 करोड़ खुराकें उपलब्ध कराएगी।

मालूम हो कि एक दिन पहल ही विशेषज्ञों के पैनल ने सरकार से टीकाकरण अभियान को तेज करने की सिफारिश थी ताकि तीसरी लहर को आने से रोका जा सके।

काले धन पर केंद्र सरकार का बयान, पिछले 10 वर्षों में स्विस बैंकों में कितना जमा हुआ नहीं पता

नई दिल्ली। सरकार ने कहा कि इसका कोई आधिकारिक अनुमान नहीं है कि पिछले 10 वर्षों के दौरान स्विस बैंकों में कितना काला धन जमा कराया गया। लोकसभा में वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने एक लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले पांच वर्षों के दौरान काला धन (अघोषित विदेशी आय एवं संपत्तियां) और कर अधिनियम आरोपण, 2015 के तहत 107 मामले दर्ज किए गए। कांग्रेस सदस्य विंसेट पाला के सवाल के जवाब में उन्होंने उक्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि व्यवस्थागत कार्रवाई के परिणाम स्वरूप 31 मई तक 166 मामलों में आकलन आदेश पारित किया गया है, जिसमें 8216 करोड़ रुपये की मांग की गई है। 8465 करोड़ रुपये की अघोषित संपत्ति पर कर लगाया गया है और एचएसबीसी मामलों में 1294 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इंटरनेशनल कंसोर्टियम आफ इंवेस्टिगेशन जर्नलिस्ट (आइसीआइजे) में करीब 11,010 करोड़ की अघोषित आय का पता लगाया गया है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान काला धन (अघोषित विदेशी आय एवं संपत्तियां) और कर अधिनियम आरोपण, 2015 के तहत 107 मामले दर्ज किए गए। कांग्रेस सदस्य विंसेट पाला के सवाल के जवाब में उन्होंने उक्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि व्यवस्थागत कार्रवाई के परिणाम स्वरूप 31 मई तक 166 मामलों में आकलन आदेश पारित किया गया है,

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि पनामा पेपर्स लीक मामलों में लगभग 20,078 करोड़ रुपये के अघोषित क्रेडिट का पता चला है, जबकि पैराडाइज पेपर्स लीक मामलों में लगभग 246 करोड़ रुपये के अघोषित क्रेडिट की जानकारी मिली है। पनामा पेपर्स लीक मामले में भारत सहित दुनिया के कई प्रमुख लोगों द्वारा कर चोरी के पनाहगाह माने जाने वाले देशों में काला धन छिपाने की बात सामने आई थी। पेराडाइज पेपर्स लीक मामलों में खोजी पत्रकारिता से जुड़े एक संगठन ने कालेधन से जुड़े कुछ नये पेपर्स लीक किये थे।

कोरोना से मौतें : अध्ययन में दावा

भारत में करीब 33 लाख लोगों की गई संक्रमण से जान

नई दिल्ली। देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या को लेकर आए दिन अध्ययन के आधार पर नए दावे किए जा रहे हैं, जो सरकारी आकंड़ों पर सवाल उठा रहे हैं। भारत में भले ही सरकारी आंकड़ों के हिसाब से चार लाख 20 हजार से अधिक मौतें हुई हों, लेकिन एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत में कोरोना की दोनों लहर के दौरान 27-33 लाख लोगों की संक्रमण से मौतें हुई हैं।

टोरंटो विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर ग्लोबल हेल्थ रिसर्च के डॉ प्रभात झा और डार्टमाउथ कॉलेज में अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. पॉल नोवोसाद द्वारा लिखित एक अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है।

यह अध्ययन जून 2020 और 2021 के बीच आठ राज्यों और सात शहरों में दर्ज अधिक मृत्यु दर पर आधारित है, और इसी की गणना के आधार पर अनुमान लगाया गया है। 2020 में महामारी की पहली लहर के दौरान दर्ज की गई औसत अतिरिक्त मृत्यु दर 22 फीसदी थी। इस दौरान आंध्र प्रदेश में 63 फीसदी से लेकर केरल में 6 फीसदी तक मृत्युदर थी, जो इस साल अप्रैल और जून के बीच महामारी की दूसरी लहर के दौरान बढ़कर 46 फीसदी हो गया और मध्यप्रदेश में सबसे अधिक 198 फीसदी तक मृत्युदर दर्ज की

गई।

पिछले वर्षों की तुलना में 2020 और 2021 में किसी भी कारण से होने वाली मौतों की संख्या के बीच का अंतर अधिक मृत्यु दर को बढ़ाता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि इनमें से अधिकतर अतिरिक्त मौतें कोविड-19 के कारण हुई हैं।

इसके समकक्ष-रिव्यू अध्ययन, जिसे हाल ही में मेडरेक्सिव पर अपलोड किया गया था, वह नागरिक पंजीकरण प्रणाली पर अधिक मृत्यु दर के आंकड़ों जो सभी जन्म और मृत्यु को रिकॉर्ड करता है, और स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली के माध्यम से एकत्र किए गए कई स्वास्थ्य संस्थानों के आंकड़ों और एक टेलीफोनिक सर्वेक्षण पर आधारित है।

बता दें कि कुछ दिन पहले अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारत में कोरोना से 34 से 49 लाख लोगों की मौतें हुई हैं। यह संख्या भारत सरकार के आंकड़ों से 10 गुना से भी ज्यादा है। रिपोर्ट को तैयार करने वालों में चार साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे अरविंद सुब्रमण्यन भी शामिल हैं।

वाशिंगटन के अध्ययन संस्थान सेंटर फॉर ग्लोबल डेवलपमेंट की ओर से जारी रिपोर्ट में सरकारी आंकड़ों, अंतरराष्ट्रीय अनुमानों, सेरोलॉजिकल रिपोर्टों और घरों में हुए सर्वे को आधार बनाया गया है। अरविंद सुब्रमण्यन, अभिषेक आनंद और जस्टिन सैंडफर ने दावा किया है कि मृतकों की वास्तविक संख्या कुछ हजार या लाख नहीं दसियों लाख है। गौरतलब है कि भारत सरकार द्वारा जारी आंकड़ों पर पहले भी संशय जताया गया है।

अमेरिकी अध्ययन में कहा गया है कि भारत में जनवरी 2020 से जून 2021 के बीच कोविड-19 से लगभग 50 लाख (4.9 मिलियन) लोगों की मृत्यु हुई है, जिससे यह विभाजन और स्वतंत्रता के बाद से देश की सबसे बड़ी मानव त्रासदी बन गई है। वहीं कोरोना वायरस का डेल्टा वैरिएंट दुनिया भर में चिंता की एक नई लहर पैदा कर रहा है।

सार समाचार

केरल में 7,316 कोविड मौतों में हेराफेरी: कांग्रेस

तिरुवनंतपुरम। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के आरोपों के बाद कोविड की मौतों की सूची के साथ आने का वादा करने के लगभग एक महीने बाद मंगलवार को विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन एक सूची लेकर आए, जिसमें कहा गया कि 7,316 कोविड की मौत को कम करके आंका गया है। सतीसन ने कहा कि उनके पास यह देखने के लिए न्यायपालिका से संपर्क करने के अलावा विकल्प है कि मृत्यु के आंकड़ों में उचित जवाबदेही है। सतीसन ने कहा, ऐसे कई लोगों की मौतों को शामिल नहीं किया गया है, जिनकी कॉमरेडिटी थी, लेकिन कोविड के साथ निधन हो गया। ऐसी खबरें हैं कि सरकार की ओर से मौखिक आदेश चिकित्सा पेशेवरों को पारित किए गए हैं जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी मौतों को शामिल करने की आवश्यकता नहीं है। हमारे पास कोई दूसरा रास्ता नहीं होगा, लेकिन इस गलत को ठीक करने के लिए कानूनी निवारण की तलाश करने की जरूरत है। सतीसन ने राज्य द्वारा संचालित सूचना केरल मिशन से सूचना के अधिकार के माध्यम से सुरक्षित कोविड मौतों की सूची जारी की, जिसमें कहा गया है कि जनवरी 2020 से 13 जुलाई, 2021 तक राज्य में 23,486 कोविड की मौतें हुईं। सतीसन ने कहा, हालांकि, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन द्वारा सोमवार को जारी किए गए दैनिक आंकड़ों में, कुल कोविड की मौत केवल 16,170 थी, जिससे पता चलता है कि 7,316 कोविड के कारण मौतें हुईं, जिनका विजयन ने कोई हिसाब नहीं दिया। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद और केंद्र से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि कोविड के कारण गुजरने वाले लोगों को मुआवजा प्रदान किया जाए, विजयन सरकार और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के बीच आदान-प्रदान हुआ। बाद में आरोप लगाया गया कि एक प्रतिक्रिया का सामना करने के डर से, राज्य में वास्तविक कोविड की मौतों को कम करने के लिए एक ठोस प्रयास किया गया था ।

मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद येदियुरप्पा के समर्थक ने कथित तौर पर की आत्महत्या!

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से बी एस येदियुरप्पा के इस्तीफे से आहत हो कर उनके एक समर्थक के कथित तौर पर आत्महत्या करली जिसपर येदियुरप्पा ने 'शोक' जताया और कहा कि राजनीति में उतार और चढ़ाव आना आम बात है। उन्होंने अपने समर्थकों से इस तरह का कोई कदम नहीं उठाने की अपील की। खबरों के मुताबिक चामराजनगर जिले के गुंडलूपेट तालुका के बोम्मालपुरा का रहने वाला 30 साल का राजप्पा (रवि) मुख्यमंत्री पद से येदियुरप्पा के इस्तीफा देने से सदमें में था और उसने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। येदियुरप्पा ने ट्वीट किया, ''...इस खबर से मुझे गहरा दुख पहुंचा है। राजनीति में उतार, चढ़ाव आते हैं, इस तरह से जीवन समाप्त करना स्वीकार्य नहीं है। इसकी वजह से परिवार को जो नुकसान पहुंचा है, उसकी भरपाई कोई नहीं कर सकता।'' उन्होंने कहा, '' मैं हाथ जोड़ कर प्रार्थना करता हूं कि जो सम्मान को इस चरम पर नहीं पहुंचाना चाहिए। मैं दुख की इस घड़ी में रवि के परिवार के साथ हूं।

श्रीनगर में आतंकवादियों ने एक नागरिक को गोली मारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर शहर में मंगलवार को आतंकवादियों ने एक नागरिक को गोली मार दी। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस सूत्रों ने कहा कि आतंकवादियों ने पुराने शहर के नवाकदल इलाके में मेहरान अली पठान पर गोलीबारी की। सूत्रों ने कहा कि शुरूआती रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि पीड़ित श्रीनगर के सफा कदल इलाके की रहने वाली है। तलाशी के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी गई है।

लोकतंत्र में मतभेद दूर करने, नागरिकों की सर्वोत्तम क्षमता को सामने लाने की ताकत है: राष्ट्रपति

श्रीनगर। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को कहा कि लोकतंत्र में मतभेदों को दूर करने तथा नागरिकों की सर्वोत्तम क्षमता को सामने लाने की ताकत है और कश्मीर इस दृष्टिकोण को खुशी से साकार कर रहा है। यहां कश्मीर विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे राष्ट्रपति ने कहा, '' मेरा अटूट विश्वास है कि लोकतंत्र में मतभेदों को दूर करने, नागरिकों की सर्वोत्तम क्षमता को सामने लाने की ताकत है। और कश्मीर खुशी खुशी इस दृष्टिकोण को साकार कर रहा है।'' जम्मू-कश्मीर के चार दिवसीय दौरे पर आए कोविंद ने कहा कि हिंसा कभी भी 'कश्मीरियत' का हिस्सा नहीं थी लेकिन यह रोजमर्रा की हकीकत बन गई उन्होंने कहा, ''यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था कि शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की यह उत्कृष्ट परंपरा टूट गई और हिंसा, जो कि कभी कश्मीरियत का हिस्सा नहीं थी, वह रोजमर्रा की वास्तविकता बन गई।'' उन्होंने कहा, '' हिंसा कश्मीरी संस्कृति से कोसों दूर थी और इसे केवल विचलन करार दिया जा सकता है जो कि अस्थायी है, बहुत हद तक एक वायरस की तरह जो कि शरीर पर हमला करता है और जिसे फिर मुक्त करने की जरूरत होती है। अब इस जमीन का खोया हुआ गौरव पुनः प्राप्त करने के लिए नई शुरुआत और दृढ़ प्रयास किए जा रहे हैं।''

नफरत के बीज रोपकर देश को नाकाम कर चुके हैं अमित शाह : राहुल

नई दिल्ली। असम और मिजोरम सीमा पर हिंसक झड़पों में असम पुलिस के पांच जवानों के मारे जाने के एक दिन बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को इन मौतों पर शोक व्यक्त किया और गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह लोगों के जीवन में नफरत और अविश्वास रोपकर देश को विफल कर चुके हैं। राहुल गांधी ने एक ट्वीट में कहा, मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना। मुझे उम्मीद है कि घायल जल्द ही ठीक हो जाएंगे। एचएम (गृह मंत्री) ने लोगों के जीवन में नफरत और अविश्वास बोकर देश को फिर से विफल कर दिया है। भारत अब इसके भयानक परिणाम भुगत रहा है।

ममता बनर्जी और कमलनाथ के बीच मुलाकात, कहा देश के मौजूदा हालात पर हुई बात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार के खिलाफ 2024 के लिए रणनीति बना रही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली में विपक्षी नेताओं से मुलाकात कर रही हैं। इसी सिलसिले में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ ने मंगलवार दोपहर 2 बजे ममता बनर्जी से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच मंगलवार दोपहर करीब 40 मिनट तक यह मुलाकात चली। इस मुलाकात के बाद ममता बनर्जी कमलनाथ को दिल्ली स्थित टीएमसी के दफ्तर के बाहर तक छोड़ने आईं। मुलाकात के बाद कमलनाथ ने कहा कि मैं ममता जी को बधाई देने आया था। बंगाल में मिली चुनावी जीत के बाद उन्हे बधाई दी। देश के मौजूदा हालात पर ममता बनर्जी से चर्चा हुई। इसके साथ ही महंगाई जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। कमलनाथ ने कहा कि ममता जी से मेरे पुराने रिश्ते हैं। उनकी बंगाल में हुई जीत ने देश को एक संदेश दिया है। ममता बनर्जी सच के साथ खड़ी हैं। ममता बनर्जी दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मिलेंगी। हालांकि सोनिया गांधी से मुलाकात का कार्यक्रम अभी तय नहीं हुआ है। गौरतलब है कि अपने दिल्ली दौरे से पहले ही ममता बनर्जी ने उत्तर भारत में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। इसके लिए इस बार 21 जुलाई को टीएमसी द्वारा मनाए गए शहीद दिवस पर खास तैयारी की गई थी। ये पहली बार रहा जबकि ममता बनर्जी का भाषण अन्य राज्यों में भी प्रसारित किया गया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हिंदी में भाषण दिया जिसे दिल्ली, उत्तर प्रदेश और गुजरात में पार्टी मुख्यालय के बाहर एलईडी टीवी पर सुना गया। वहीं दिल्ली के आयोजन में दूसरे राजनीतिक दलों के नेताओं को भी बुलाया गया था। ममता बनर्जी की इस तैयारी को 2024 लोकसभा चुनाव के रण से जोड़कर देखा जा रहा है।

गौरतलब है कि तीसरी बार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने के बाद यह ममता बनर्जी का पहला दिल्ली दौरा है। ममता बनर्जी मंगलवार को दिल्ली में दोपहर 2 बजे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से मुलाकात की।

ममता बनर्जी व कांग्रेस नेताओं के बीच हुई इस मुलाकात को विपक्षी दलों को एक साथ लाने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने शरद पवार समेत कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात की थी। प्रशांत किशोर ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान ममता बनर्जी के लिए काम किया था। बीते दिनों प्रशांत किशोर दिल्ली में सोनिया गांधी, राहुल गांधी व प्रियंका गांधी से भी मुलाकात कर चुके हैं। कमलनाथ और आनंद शर्मा से मुलाकात करने के उपरांत शाम 4 बजे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच अहम मुलाकात होनी है।

जया विश्वविद्यालय मुद्दे पर सरकार के खिलाफ आंदोलन करेगी अन्नाद्रमुक

चेन्नई (एजेंसी)।

अन्नाद्रमुक ने द्रमुक सरकार पर पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता के नाम पर विश्वविद्यालय का नाम रखने में देरी करने की रणनीति का आरोप लगाने के बाद राज्य स्तर पर आंदोलन शुरू करने का फैसला किया है।

प्रस्तावित विश्वविद्यालय को विल्लुपुरम में बनना था और इसे तमिलनाडु के राज्यपाल की स्वीकृति और स्वीकृति मिली थी, जो विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। यह 25 फरवरी, 2021 था, जब अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाली पलानीस्वामी सरकार सत्ता में थी। हालांकि, चुनाव आचार संहिता के बाद, सरकार इसे आगे नहीं ले जा सकी और 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद सत्ता में वापस आने के बाद अपना संचालन शुरू करने की उम्मीद कर रही थी।

द्रमुक सरकार ने धन की कमी का हवाला देते हुए विश्वविद्यालय के कार्यान्वयन को आगे नहीं बढ़ाया है। अन्नाद्रमुक नेता और पूर्व मंत्री सीवी षणमुगम ने द्रमुक सरकार की देरी की रणनीति को द्रमुक द्वारा प्रतिशोध की राजनीति का हिस्सा करार दिया। अन्नाद्रमुक ने धन की कमी के कारण जया विश्वविद्यालय का संचालन शुरू नहीं करने की द्रमुक सरकार की कार्रवाई को काल्पनिक और अस्थिर करार दिया है। पार्टी नेताओं ने कहा कि पार्टी के राज्य नेतृत्व ने राज्य के विल्लुपुरम जिले में उच्च शिक्षा के लिए एक विश्वविद्यालय को राजनीतिक कलंक के कारण खराब करने और पटरी से उतारने की कोशिश करके द्रमुक सरकार की प्रतिशोध की राजनीति के खिलाफ राज्य भर में कई आंदोलन शुरू किए हैं। सीवी षणमुगम, जो अन्नाद्रमुक के विल्लुपुरम उत्तर जिला सचिव भी हैं, उन्होंने इस मुद्दे पर द्रमुक सरकार के खिलाफ सोमवार को जिले में आंदोलन का नेतृत्व किया।

गोवा के दिग्गज नेताओं की तुलना मौजूदा भाजपा नेता से करना उनका अपमान: केजरीवाल

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को गोवा के अपने समकक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि भाउसाहेब बंदोडकर, जैक डी सेक्वेरा और मनोहर परिकर जैसे गोवा के कद्दावर राजनेताओं की तुलना मौजूदा नेताओं से करना अपमान की बात है, जिन्हें ''थोक'' में खरीदा-बेचा जा रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन ने सोमवार को गोवा के राजनेताओं को ''तीसरे दर्जे'' का बताया था, जिसकी गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कड़ी आलोचना की थी और इस बयान को प्रदेश दिग्गज नेताओं दिवंगत परिकर और सेक्वेरा का ''अपमान'' करार दिया था। सावंत ने ट्वीट किया था, '' आप (आम आदमी पार्टी) हमेशा से ही प्रदर्शन कर और नाटक करके सस्ती राजनीति करती है, लेकिन गोवावासियों को तीसरे दर्जे का नेता कहना भाउसाहेब बंदोडकर, जैक सेक्वेरा, मनोहर भाई परिकर, राजेंद्र अर्लेकर या श्रीपद भाउ नाइक जैसे भूमिपुत्रों का अपमान है।'' इसके जवाब में केजरीवाल ने ट्वीट किया, '' प्रमोद,

इतने दिग्गज राजनेताओं की तुलना आप मौजूदा राजनेताओं से करके उनका अपमान कर रहे हैं। मौजूदा भाजपा ना ही भाउसाहेब बंदोडकर जितनी महान हैं, ना उनमें डॉ. जैक सेक्वेरा जितनी ईमानदारी है और ना ही मनोहर परिकर जैसा दृष्टिकोण।'' आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा, '' विधायकों की इस तरह खरीद-फरोख्तकर भाउसाहेब बंदोडकर का अपमान किया गया। डॉ. जैक सेक्वेरा ने गोवा को खरिदते एवं बिकते देखने के लिए लोगों के मताधिकार की लड़ाई नहीं लड़ी थी। मनोहर परिकर ने अथक प्रयास इसलिए नहीं किए ताकि कांग्रेस विधायकों को थोक में खरीदते हुए देखें।''

अब लखनऊ में लंगर डालने की तैयारी में किसान नेता राकेश टिकैत

लखनऊ (एजेंसी)।

संयुक्त किसान मोर्चा की राजनीतिक महत्वाकांक्षा लगातार बढ़ती जा रही है। वह हर उस राज्य में अपने पैर पसारना चाह रहा है जहां आगामी कुछ महीनों में चुनाव होने वाले हैं।खासकरभास्कर मोर्चे की नजर उत्तर प्रदेश पर लगी है। इस बात का एहसास आज उसने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके करा दिया। मोर्चा अब उत्तर प्रदेश में भी कृषि कानून का विरोध करने के साथ ही किसानों के हित में अभियान चलाएगा। लखनऊ के प्रेस क्लब में आज किसान नेता राकेश टिकैत और योगेंद्र यादव ने मीडिया को संबोधित किया। टिकैत के साथ योगेंद्र यादव ने भी मीडिया से अपने मिशन को साझा किया। राकेश टिकैत ने कहा कि हम तो किसान आंदोलन की धार को तेज करने की तैयारी में हैं। इसी को साझा करने लखनऊ आए हैं। दिल्ली बॉर्डर से लखनऊ

आने का कारण पूछने पर राकेश टिकैत ने कहा कि लखनऊ तो राजधानी है, यहां पर काफी काम होते हैं।

किसानों के तीन कानून रद कराने व एमएसपी की कानूनी गारंटी मांग को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा बीते आठ माह से आंदोलन कर रहा है। मोर्चे के आंदोलन का अगला पड़ाव यूपी व उत्तराखंड होगा। इसे मिशन के रूप में शुरू किया जाएगा। मोर्चा पांच सितंबर को मुजफ्फरनगर में महारैली करके धमाकेदार शुरुआत करेगा, इसके बाद सभी मंडलों पर महापंचायत होगी। किसान नेता राकेश टिकैत व योगेन्द्र यादव का आरोप है कि योगी आदित्यनाथ सरकार का दाना-दाना खरीद का वादा महज जुमला था। सरकारी आंकड़े ही खरीद की सच्चाई बयां कर रहे हैं। नेताओं ने यह भी कहा कि वे विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे सिर्फ किसानों को एकजुट करके उन्हें सच्चाई बताएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में सभी टोल प्लाजा फ्री करें। उन्होंने हमारे इस आंदोलन में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का विरोध और भाजपा व सहयोगी दलों के कार्यक्रमों का विरोध व बहिष्कार होगा। किसान नेताओं ने कहा कि हम तो किसान के हित की बात करेंगे, अगर सरकार सख्ती करते हैं तो हम लखनऊ को भी दिल्ली बना सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार भी काफी सख्ती बरत रही है। वक्त आने पर इनको भी किसान की ताकत बता देंगे। योगेंद्र यादव ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा तो उत्तर प्रदेश के साथ उत्तराखंड में भी आंदोलन शुरू करने जा रहा है।

यूपी चुनाव में अपनी किस्मत आजमाएगी एनसीपी, समाजवादी पार्टी के साथ करेगी गठबंधन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इन सबके बीच महाराष्ट्र की पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश में अपनी दस्तक देने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक उत्तर प्रदेश के 2022 चुनाव में समाजवादी पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बीच गठबंधन हो सकता है। पार्टी सूत्रों से लगातार यह जानकारी मिल रही है। पार्टी के एक नेता ने बताया कि उत्तर प्रदेश का हाल बुरा है। इसे सुधारना होगा। यही कारण है कि हम समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

उत्तर प्रदेश के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के महासचिव केके शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष उमाशंकर यादव ने कहा गठबंधन को लेकर अखिलेश यादव से बातचीत हो गई है। अब केवल सीटों का चयन होना है। इन लोगों ने कहा कि शरद पवार ने

साफ तौर पर निर्देश दिया है कि उत्तर प्रदेश में एनसीपी को युवाओं और किसानों की आवाज उठानी है। भाजपा सरकार लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा कर रही हैं। जो भाजपा की सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहा है उसे दबाया जा रहा है।

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव पहले ही साफ कर चुके हैं कि वह बड़े दलों के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। लेकिन उत्तर प्रदेश में जो फिलहाल छोटी भूमिका में दल हैं उन से गठबंधन करेंगे। ऐसे में समाजवादी पार्टी और एनसीपी के बीच गठबंधन होता है तो जाहिर सी बात है कि सपा खुद को मजबूत स्थिति में ला सकती है। हालांकि देखने वाली बात तो यह भी होगी कि एनसीपी सपा को कितना फायदा पहुंचा पाती है।

कैबिनेट विस्तार की चर्चा के बीच माकन राजस्थान के दौरे पर

जयपुर (एजेंसी)।

राजस्थान कांग्रेस प्रभारी अजय माकन बुधवार (28 जुलाई) से जयपुर के दो दिवसीय दौरे पर होंगे। इस दौरान वे राज्य में बहुप्रतीक्षित कैबिनेट फेरबदल और विस्तार के लिए सीधे तौर पर फीडबैक लेने के लिए विधायकों के साथ आमने-सामने बैठक करेंगे।

मंगलवार को उनके दो दिवसीय कार्यक्रम की घोषणा की गई है, जिसके अनुसार पहले दिन वह 12 जिलों के विधायकों से बात करेंगे, जबकि दूसरे दिन 20 जिलों के विधायकों से बात करेंगे। फीडबैक लेने की प्रक्रिया सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक चलेगी। इस दौरान, जयपुर, झुंझुनू और सीकर के विधायकों के साथ आमने-सामने बातचीत का पहला दौर आयोजित किया जाएगा। उन जगहों पर भी जहां कांग्रेस का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है, निर्दलीय माकन के साथ अपने विचारों का आदान-प्रदान

करेंगे। 29 जुलाई को माकन का रात्रि भोज भी मुख्यमंत्री आवास पर निर्धारित है। उम्मीद है कि इस यात्रा से कांग्रेस के दो खेमे अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद का अंत हो जाएगा। पायलट और उनके खेमे ने राज्य में सरकार बनाने में मदद करने के लिए कड़ी मेहनत करने वालों के लिए इनाम देने की मांग की है। पिछले साल, उन्होंने राज्य नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह किया और उन्हें पीसीसी प्रमुख और राज्य के पूर्व डिप्टी सीएम के पोर्टफोलियो से हटा दिया गया। साथ ही राज्य पीसीसी को भंग कर दिया गया था। हालांकि बाद में पायलट को पार्टी में लाया गया। तब से वे और उनकी टीम कैबिनेट विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियों का इंतजार कर रहे हैं, हालांकि राज्य सरकार किसी न किसी वजह से इसमें देरी कर रही है, जिसके चलते अब केंद्रीय नेतृत्व ने दखल दिया है। बहुप्रतीक्षित फेरबदल अगले कुछ दिनों में हो सकता है।

यूपी के बड़े चुनावी 'खिलाड़ी' अमित शाह फिर 'पधार' रहे हैं लखनऊ

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश की सियासत में अब भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और मौजूदा होम मिनिस्टर अमित शाह का नाम कोई नया नहीं रह गया है। अमित शाह वह शख्स हैं जिसने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव और 2017 के उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के समय बड़ा चमत्कार करते हुए यूपी में बीजेपी को फर्श से अर्श पर पहुंचा दिया था।अमित शाह की रणनीति के सामने यूपी के क्षेत्रिय क्षत्रपों और गांधी परिवार की एक नहीं चल पाई थी। यदि यह कहा जाए कि 2014 के बाद यूपी में बीजेपी कोई चुनाव नहीं हारी है तो अतिशियोक्ति नहीं होगी।भले ही आज यूपी में योगी का 'सिक्का' चल रहा हो,लेकिन इसकी बुनियाद अमित शाह ने ही रखी थी। इसी लिए अमिश शाह आज भी यूपी बीजेपी के लिए तुरूप् का पत्ता बने हुए हैं। अमित शाह के बदल पर दिल्ली और यूपी में सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी 2022 के विधान सभा चुनाव में भी सत्ता पर अपना कब्जा बरकरार रखना चाहती है। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व बेहद गंभीर है और अगस्त में उत्तर प्रदेश में चरणवार बड़े नेताओं के दौरे हैं। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा केंद्रीय गृह तथा सहकारिता मंत्री अमित शाह जहां एक अगस्त को लखनऊ में रहेंगे, वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का लखनऊ का दो दिन का दौरा है। शाह उत्तर प्रदेश को बड़ा तोहफा देने लखनऊ आ रहे हैं तो नड्डा दो दिन के दौरे में लखनऊ में भाजपा उत्तर प्रदेश के संगठन के नेताओं के साथ बैठक में उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव की तैयारी को धार देने का काम करेंगे।

राजधानी लखनऊ में पुलिस व विधि विज्ञान विश्वविद्यालय का निर्माण अगस्त में शुरू हो जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक अगस्त को इस विश्वविद्यालय का शिलान्यास करेंगे। यह विश्वविद्यालय लखनऊ के पिपरसंड क्षेत्र में तकरीबन 35 एकड़ क्षेत्रफल में बनेगा। प्रदेश का गृह विभाग शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों में जुटा है। शासन ने उत्तर प्रदेश पुलिस के आधुनिकीकरण व साइबर अपराध की चुनौती से निपटने के लिए प्रदेश के पहले पुलिस व विधि विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना लखनऊ में कराने का निर्णय किया है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना का अध्यादेश जारी होने के बाद इसके कुलपति व रजिस्ट्रार समेत अन्य पदों का सृजन भी किया जा चुका है। इस विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग करेगा। विश्वविद्यालय के पास ही पुलिस ट्रेनिंग स्कूल व पीएसी की महिला बटालियन की स्थापना भी प्रस्तावित है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष तथा उत्तर प्रदेश के प्रभारी राधा मोहन सिंह के जून व जुलाई में लखनऊ के दौरे के बाद अब भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश(जेपी) नड्डा का लखनऊ दौरा है। जेपी नड्डा सात व आठ अगस्त को लखनऊ के दौरे पर रहेंगे। लखनऊ में भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में नड्डा दो दिन संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक करने के दौरान ही योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रियों के साथ भी उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक करेंगे। इस दौरान भाजपा उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ भी उनकी बैठक होगी। वैसे तो केन्द्रीय होम मिनिस्टर अमित शाह पुलिस व विधि विज्ञान विश्वविद्यालय का शिलान्यास करने के लिए लखनऊ आ रहे हैं,लेकिन इस दौरान वह पार्टी नेताओं को कुछ चुनावी टिप्स भी देगें।

सार समाचार

अमेरिका की पूर्व सांसद का फोन छीनकर भागा हमलावर, ट्विटर अकाउंट पर दी जानकारी

ओकलैंड (अमेरिका)। अमेरिका की पूर्व सांसद बारबरा बॉक्सर के साथ कैलिफोर्निया के ओकलैंड में मारपीट के बाद लूट की गई। बॉक्सर के बेटे ने यह जानकारी दी। बॉक्सर के ट्विटर अकाउंट से किए गए ट्वीट के अनुसार,'' हमलावर ने उन्हें पीछे की तरफ धक्का दिया,उनका मोबाइल फोन छीना और पहले से वहां मौजूद एक कार में बैठ कर फरार हो गया। उन्हें घटना में खास चोट नहीं आई है और इससे वह राहत महसूस कर रही हैं।'' मीडिया द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में ओकलैंड पुलिस विभाग ने घटना की पुष्टि की,लेकिन पीड़िता की पहचान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि संदिग्ध एक वाहन में बैठ कर फरार हो गया। बॉक्सर (80) ने संसद में 1993 से 2017 तक कैलिफोर्निया का प्रतिनिधित्व किया था।

तोक्यो में ओलंपिक शुरु होने के बाद वायरस संक्रमण के रिकॉर्ड 2848 मामले दर्ज

तोक्यो। ओलंपिक खेलों के शुरू के बाद यहां जापान की इस राजधानी में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के नये मामले रिकॉर्ड संख्या में दर्ज किये गये। तोक्यो में मंगलवार को कोविड-19 संक्रमण के 2,848 नये मामले दर्ज किये गये जो इस साल सात जनवरी (2,520) के बाद सबसे अधिक संख्या है। पिछले साल महामारी शुरू होने के बाद से तोक्यो में कोविड-19 संक्रमण के कुल मामले दो लाख से अधिक हो गये हैं। इस महामारी से निपटने के लिए तोक्यो में चौथी बार आपातकाल लागू किया गया है। यह अगले महीने ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों तक जारी रहेगा। ओलंपिक खेल बीते शुक्रवार को शुरू हुए हैं और विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अधिक तेजी से फैलने वाले वायरस के डेल्टा प्रकार से मामले और बढ़ सकते है।

अफगान शहर पर तालिबान का हमला नाकाम, 28 आतंकवादी मारे गए

काबुल। अफगान सुरक्षा बलों ने तखर प्रांत की राजधानी तालुकान शहर पर तालिबान के हमले को नाकाम कर दिया है और 28 आतंकवादियों को मार गिराया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान आतंकवादी तालुकान शहर में अलग-अलग दिशाओं से हमला करने की योजना बना रहे थे, लेकिन लड़ाकू विमानों द्वारा समर्थित जमीनी सैनिकों ने आतंकवादियों को निशाना बनाया, जिससे वे पीछे हट गए। कार्रवाई के दौरान 28 पीड़ितों के अलावा, 17 तालिबान के आतंकवादी भी घायल हुए। तालिबान कथित तौर पर तखर प्रांत के सभी 16 जिलों को नियंत्रित करता है और पिछले एक महीने से काबुल से 245 किलोमीटर उत्तर में स्थित तालुकान शहर पर कब्जा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। तालिबान द्वारा कुल अधिग्रहण के डर से, कई तखर निवासियों ने पिछले एक सप्ताह में काबुल में धरना दिया है और केंद्र सरकार से प्रांत में और सैनिकों को भेजने का आह्वान किया है। एक अन्य घटनाक्रम में, मंगलवार को बदख्शां प्रांत के कुरान-वो-मुंजन जिले में अफगान सैनिकों द्वारा तालिबान लड़ाकों के एक समूह पर घात लगाकर किए गए हमले में चार विदेशियों सहित 9 आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि हुई।

मैरी साइमन ने कनाडा के 30वें गवर्नर जनरल के रूप में शपथ ली

ओटावा। मैरी साइमन ने कनाडा की 30वीं गवर्नर जनरल के रूप में शपथ ली है, जो यह पद संभालने वाली पहली स्वदेशी हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने की शुरूआत में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने क्यूबेक के एक इनुक साइमन की भूमिका निभाने की सिफारिश की थी। शपथ ग्रहण समारोह सोमवार को सीनेट में आयोजित किया गया था, जहां ट्रूडो और हाउस ऑफ कॉमन्स और सीनेट के वक्ताओं सहित लगभग 50 गणमान्य व्यक्ति और अतिथि उपस्थित थे। वरिष्ठ संघीय अधिकारियों द्वारा देखे गए आधिकारिक शपथ और हस्ताक्षर के अलावा, इस कार्यक्रम में कई सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल थे। एक प्रमुख इनुक नेता और पूर्व राजदूत, साइमन गवर्नर जनरल के रूप में संवैधानिक मामलों में और अल्पसंख्यक सरकारों के भीतर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जब यह विश्वास और चुनाव बुलाने के सवालों की बात आती है। देश भर में पूर्व आवासीय स्कूल के मैदानों पर अचिह्नित कब्रों की निरंतर खोज से प्रेरित, स्वदेशी लोगों के साथ सुलह की दिशा में कनाडा के प्रयासों पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने के बीच साइमन की नियुक्ति आई है।

सीरिया शरणार्थियों की वापसी की सुविधा के लिए करेगा काम: असद

दमिश्क। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद ने कहा कि उनकी सरकार देश में शरणार्थियों की वापसी के लिए लगातार काम कर रही है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सीरियाई नेता ने सोमवार को दमिश्क के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विशेष दूत अलेक्जेंडर लावेरेंटिव के साथ मुलाकात के दौरान यह टिप्पणी की। असद ने कहा कि सीरियाई सरकार बुनियादी ढांचे के पुनर्वास के माध्यम से शरणार्थियों की वापसी की सुविधा के लिए काम कर रही है, जो मुक्त क्षेत्रों में सुरक्षा और स्थिरता बहाल कर रहे हैं, और पूर्व में विद्रोहियों के कब्जे वाले क्षेत्रों में सुलह प्रक्रियाओं को तेज कर रहे हैं। सीरिया और रूस द्वारा सीरियाई शरणार्थियों की वापसी के लिए तीन दिवसीय सम्मेलन आयोजित करने वाले समय में दमिश्क का दौरा करने वाले लावेरेंटिव ने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों पक्ष शरणार्थियों की वापसी के लिए उपयुक्त परिस्थितियों और आधार स्थापित करने के लिए काम करेंगे। उन्होंने ऐसी प्रक्रिया में बाधा डालने वाली कठिनाइयों और बाधाओं को दूर करने के लिए सीरिया के साथ अपने देश के निरंतर सहयोग का उल्लेख किया। सम्मेलन के दौरान, सीरिया के सूचना मंत्री इमाद सारा ने कहा कि शरणार्थियों की वापसी सीरियाई सरकार के लिए प्राथमिकता है, पश्चिमी प्रतिबंध प्रक्रिया में बाधा डाल रहे हैं।

समय आ गया है कि संयुक्त राष्ट्र समुद्री सुरक्षा के मामले पर समग्र दृष्टिकोण अपनाए: भारत

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

भारत ने अगस्त महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता की जिम्मेदारी संभालने से पहले कहा कि अब समय आ गया है कि सुरक्षा परिषद समुद्री सुरक्षा के मामले को लेकर समग्र दृष्टिकोण अपनाए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने कहा, ''हम अगस्त में तीन मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगे- समुद्री सुरक्षा, शांतिरक्षा और आतंकवाद से मुकाबला। हम अपनी अध्यक्षता में तीन मुख्य कार्यक्रमों के जरिए तीन विषयों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।'' भारत एक अगस्त को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता की जिम्मेदारी संभालेगा।

भारत दो साल के लिए सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है। भारत अगस्त के बाद अगले साल दिसंबर में परिषद की अध्यक्षता करेगा। तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत की विदेश नीति में समुद्री सुरक्षा हमेशा उच्च प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा, ''हमने विशेष रूप से हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित की है। हमारा मानना है कि अब समय आ गया है कि सुरक्षा परिषद समुद्री सुरक्षा के मामले पर समग्र दृष्टिकोण अपनाए। समुद्री सुरक्षा सबकी समृद्धि और अन्य सुरक्षा हितों की रक्षा करती है।'' उन्होंने कहा कि समुद्री सुरक्षा के विषय पर ध्यान केंद्रित करना काफी महत्व रखता है क्योंकि ऐसा पहली बार होगा, जब संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष निकाय में इस मामले पर विशेष रूप से चर्चा होगी। तिरुमूर्ति ने उल्लेख किया कि सुरक्षा परिषद ने समुद्री सुरक्षा और समुद्री अपराध के विभिन्न पहलुओं पर प्रस्ताव पारित किए हैं, लेकिन हमें लगता है कि अब समय आ गया है कि इन्हें एक साथ लाया जाए और इन पर समग्र रूप से चर्चा की जाए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का मुकाबला भी भारत के लिए एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है, और नयी दिल्ली सुरक्षा परिषद में इस मामले पर पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा, हम हर प्रकार के आतंकवाद के कट्टर विरोधी हैं और मानते हैं कि आतंकवाद को किसी भी तरह सही नहीं ठहराया जा सकता।''

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों में सर्वाधिक बलों का योगदान देने वाले देशों में शामिल भारत अपनी अध्यक्षता में शांतिरक्षा के मामले पर भी ध्यान देगा और शांतिरक्षकों की रक्षा के लिए सक्रिय कदम उठाने का पुरजोर समर्थन करेगा। तिरुमूर्ति ने कहा, ''शांतिरक्षा में महिला शांतिरक्षकों की भागीदारी समेत हमारी अपनी लंबी और अग्रणी भागीदारी को देखते हुए शांतिरक्षा ऐसा मामला है जो हमारे दिल के करीब है।'' स्थायी प्रतिनिधि ने कहा कि समुद्री सुरक्षा, शांतिरक्षा और आतंकवाद से मुकाबला संबंधी तीन विषयों पर केंद्रित भारत के मुख्य कार्यक्रमों के अलावा हर महीने उन विषयों पर अनिवार्य बैठकें भी होंगी जिन पर सुरक्षा परिषद चर्चा करती है।

अमेरिका के उटाह में रेतीले तूफान का कहर, 22 गाड़ियों के आपस में टकराने से 8 लोगों की मौत

कनोश (अमेरिका) (एजेंसी)।

अमेरिका के उटाह में रेतीले तूफान के कारण 22 वाहनों के एक-दूसरे से टकराने से चार बच्चों समेत कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। 'उटाह हाईवे पेट्रोल' ने बताया कि कनोश के निकट 'इंटरस्टेट -15' पर रविवार दोपहर ये गाड़ियां आपस में टकराईं। वाहनों के टकराने के कारण चार बच्चों समेत कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई।

एजेंसी ने बताया कि इसके अलावा कम से कम 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। 'उटाह हाईवे पेट्रोल' ने बताया कि रेतीले तूफान के कारण दृश्यता स्तर कम होने जाने की वजह से वाहन आपस में टकरा गए। एक समाचार विज्ञप्ति में बताया गया कि हादसे में जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें से पांच लोग एक ही वाहन में सवार थे, जबकि दो अन्य लोग एक अन्य वाहन में थे। एक और व्यक्ति एक अन्य वाहन में सवार था। 'इंटरस्टेट-15' रविवार देर रात आशिंक रूप से बंद रहा। दुर्घटनास्थल के आस-पास यातायात को परिवर्तित किया गया। कनोश सॉल्ट लेक सिटी के दक्षिण में करीब 160 मील दूर स्थित है।

सियोल, प्योंगयांग ने संचार हॉटलाइन बहाल की

सियोल, (एजेंसी)।

सियोल में राष्ट्रपति ब्लू हाउस ने मंगलवार को घोषणा की कि एक साल से ज्यादा समय से कटी हुई दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया ने अपनी सीमा पार संचार लाइनें बहाल कर दी हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ब्लू हाउस ने एक बयान में कहा कि दोनों कोरियाई देशों ने मंगलवार सुबह 10 बजे से अपनी सीधी संचार हॉटलाइन फिर से शुरू करने का फैसला किया।

उत्तर कोरिया द्वारा सियोल ने नागरिक कार्यकताओं को प्योंगयांग विरोधी प्रचार पत्र भेजने से रोकने में विफल रहने के विरोध में पिछले साल जून से सभी संचार लाइनें काट दी गई थीं। एक बयान के अनुसार, दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जे-इन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन ने अंतर-कोरियाई संबंधों को बहाल करने के मुद्दों के बारे में संवाद करने के लिए अप्रैल से कई बार व्यक्तिगत पत्रों का आदान-प्रदान किया है। बयान में कहा गया है कि मून और किम पहले कटे हुए अंतर-कोरियाई संचार लाइनों को बहाल करने के लिए सहमत हुए। दोनों नेताओं ने आपसी विश्वास बहाल करने और जल्द से जल्द संबंध बढ़ाने पर भी सहमति जताई।

बाइडेन ने इराक में अमेरिकी लड़ाकू अभियान को खत्म करने की घोषणा की, दो देशों के बीच बनेंगे नए संबंध

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सोमवार को कहा कि इराक में अमेरिकी युद्धक अभियान साल अंत तक खत्म हो जाएगा। यह एक ऐसी घोषणा है जो अमेरिकी नीति में एक बड़े बदलाव की तुलना में जमीनी वास्तविकता को अधिक दर्शाती है। बाइडन के जनवरी में राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद से ही इराकी बलों की सहायता करने, उनकी ओर से नहीं लड़ने को लेकर विचार कर रहे थे। बाइडेन ने वैसे इराक में अमेरिकी सैनिकों की संख्या कम करने को लेकर कोई बयान नहीं दिया। अभी इराक में अमेरिका के 2500 सैनिक मौजूद हैं। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब 20 साल बाद अमेरिका अफगानिस्तान से अपने सभी सैनिकों को वापस बुला रहा है।

11 सितम्बर 2001 को हुए हमले के बाद अमेरिका ने युद्धग्रस्त देश में अपने सैनिक तैनात किए थे। इराक के प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-काजिमी के साथ ओवल कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में बाइडन ने कहा कि उनका प्रशासन इराक के साथ साझेदारी को लेकर प्रतिबद्ध है। यह एक ऐसा रिश्ता जो ईरानी समर्थित इराकी मिलिशिया समूहों द्वारा तेजी से जटिल हो गया है। मिलिशिया चाहते हैं कि अमेरकी बल इराक से तुरंत बाहर निकल जाए और समय-समय पर अमेरिकी सैनिकों के ठिकानों पर हमला करते रहे हैं।

बाइडेन ने कहा, '' आईएसआईएस के खिलाफ हमारी साझा लड़ाई क्षेत्र की स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है और हमारा आतंकवाद विरोधी अभियान जारी रहेगा, भले ही हम इस नए चरण में जाने वाले हैं, जिसके बारे में हम बात करेंगे।'' राष्ट्रपति ने कहा, '' हम साल के अंत तक लड़ाकू अभियान का हिस्सा नहीं होंगे।'' व्हाइट हाउस प्रेस सचिव जेन साकी ने कोई जानकारी नहीं दी कि साल अंत तक इराक में उनके कितने सैनिक होंगे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आखिरी बार सैनिकों की संख्या कम करने के बाद से ही इराक में 2500 अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं। उस समय इराक में 3000 सैनिक थे।

राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत पहली बार मुकदमे का सामना कर रहा यह व्यक्ति, हांगकांग को आजाद करो के लगाए थे नारे

हांगकांग। (एजेंसी)।

हांगकांग के संशोधित राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत पहली बार मुकदमे का सामना करने वाले व्यक्ति को अलगाववाद और आतंकवाद का दोषी पाया गया है। हांगकांग उच्च न्यायालय ने तोंग यिंग कित (24) से संबंधित मामले में यह फैसला सुनाया है। तोंग पर आरोप था कि वह पिछले साल एक जुलाई को एक झंडा थामे मोटरसाइकिल पर सवार होकर पुलिस अधिकारियों के समूह में घुस गया था। झंडे पर लिखा था, हांगकांग को आजाद करो, यह हमारे समय की क्रांति है।'' यह घटना हांगकांग पर संशोधित राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाए जाने के एक दिन बाद हुई थी। चीन ने साल 2019 में हांगकांग में महीनों चले सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद संशोधित राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया था। इस आदेश को काफी करीब से देखा जा रहा है ताकि यह अंदाजा लगाया जा सके कि भविष्य में ऐसे ही मामलों से कैसे फैसले सुनाए जाएंगे।

इस कानून के तहत 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। तोंग ने अलगाववाद और आतंकवाद के आरोप तय करने के बजाय खतरनाक तरीके से वाहन चलाने जैसे वैकल्पिक आरोप लगाने की गुहार लगाई थी। तोंग को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा सुनायी जा सकती है। उसके वकील बृहस्पतिवार को सजा सुनाए जाने के दौरान हल्की सजा देने की अपील कर सकते हैं। न्यायमूर्ति एस्थर तोह ने फैसला सुनाते हुए कहा कि तोंग ने आतकंवादी गतिविधियों को अंजाम दिया, जिसका मकसद राजनीतिक एजेंडा पूरा करने के लिये समाज को गंभीर नुकसान पहुंचाना था। तोह ने कहा कि उसका व्यवहार केंद्र और हांगकांग की सरकारों को मजबूर करने और जनता को डराने के उद्देश्य से हिंसा फैलाने के समान था। उन्होंने कहा कि नारा लिखा झंडा साथ रखना अलगाव के लिए उकसाने वाला कार्य है। चूंकि अभियोजन पक्ष इस बात को लेकर निश्चित था कि उसने आतंकवाद और अलगाव के आरोपों के प्रत्येक तत्व को साबित कर दिया है, इसलिए अदालत ने खतरनाक ड्राइविंग के आरोप पर सुनवाई नहीं करने का फैसला किया। मामले की सुनवाई 20 जुलाई को पूरी हुई थी।

पाकिस्तान में एक हिंदू महिला ने सोशल मीडिया पर लगाई घर लौटने की गुहार, जबरन कराया गया विवाह

कराची। (एजेंसी)।

पाकिस्तान में एक हिंदू महिला को स्थानीय अदालत के निर्देश के बाद सोमवार को उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। आरोप है कि महिला को प्रताड़ित किया गया और एक व्यक्ति ने जाली दस्तावेजों के आधार पर उससे शादी कर उसे मुस्लिम दिखाया। महिला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, जिसमें वह न्याय की गुहार लगा रही थी। रीना मेघवार को 13 फरवरी को कासिम काशखेली नामक व्यक्ति ने दक्षिणी सिंध प्रांत के बदीन जिले के केरिओगजर इलाके से अगवा कर लिया था। मेघवार का एक वीडियो कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसमें वह कह रही है, ÷कृपया मुझे मेरे माता-पिता के पास भेज दो, मुझे जबरन लाया गया है। मुझे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई है और कहा गया है कि मेरे माता-पिता व भाइयों को मार डाला जाएगा।' हालांकि, उसने वीडियो में धमकी देने वाले किसी भी व्यक्ति का नाम लेने से इनकार कर दिया। सिंध सरकार ने वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस जांच का आदेश दिया, जिसके बाद बदीन के एसएसपी शबीर अहमद सेथर ने एक दल का नेतृत्व किया और काशकेली के घर से हिंदू लड़की को बरामद कर लिया। उसे सोमवार को बदीन की एक स्थानीय सत्र अदालत में पेश किया गया, जहां उसने एक बयान में कहा कि उसने इस्लाम कबूल नहीं किया था और आरोपी ने मुस्लिम महिला के रूप में उससे जबरन शादी करने के लिए झूठे दस्तावेज तैयार किए थे। अदालत ने उसका बयान दर्ज करने के बाद पुलिस को आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने का आदेश दिया। अधिकारियों की उपस्थिति में मेघवार को उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। उसने न्यायाधीश को यह भी बताया कि आरोपी ने उसके साथ अनुचित व्यवहार किया और उसके भाई की जान को खतरा है। वहीं, आरोपी के परिवार का दावा है कि मेघवार ने इस साल फरवरी में अपना घर छोड़ दिया और कथित तौर पर काशखेली से शादी कर ली और अपना नाम बदलकर मरियम कर लिया।

तिब्बत, हांगकांग और साइबर हैकिंग का जिक्र कर अमेरिका ने चीन को समझाया, ड्रैगन ने संबंधों को ठीक करने के लिए ये लिस्ट थमाया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमन और अमेरिकी विदेश मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी ने चीन का दौरा किया। वेंडी शेरमन चीन के उप विदेश मंत्री तथा अमेरिका एवं चीन के संबंधों के प्रभारी शेई फेंग और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ तियानजिन शहर के रिजॉर्ट में बंद कमरे में अलग-अलग की। वेंडी शरमन के बीच वार्ता तल्ख टिप्पणियों के साथ शुरू हुई। शीए फेंग ने अमेरिका पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह 'दमनकारी नीति' अपना रहा है और इसके साथ ही चीन की ओर 'गलत नीतियों' को रोकने के लिए अमेरिका को एक सूची थमायी। वहीं अमेरिका की ओर से शिनजियांग प्रांत में अल?पसंख?यक समुदाय के खिलाफ अत?याचार का मुद्दा उठाने के साथ-साथ, साइबर हैकिंग, तिब्बत में मानवाधिकार उल्लंघन और हांगकांग में चीन के गैर लोकतांत्रिक तरीकों पर अपनी चिंता जताई।

चीन ने अमेरिका की नीति को खतरनाक बताया

चीन ने अमेरिका पर द्विपक्षीय संबंधों में गतिरोध पैदा करने का आरोप लगाया है। साथ ही अमेरिका ने अपनी नीति बदलने की अपील भी की है। चीन-अमेरिका संबंधों का प्रभार संभालने वाले उप विदेश मंत्री झी फेंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन पर चीन के विकास को रोकने और दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। चीन ने कहा कि दुनिया में उसे बदनाम करने की साजिश बंद होनी चाहिए। चीन की ओर से कहा गया कि अमेरिका हमें दैत्य बताना बंद करे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने बीजिंग में बताया कि इस सूची में चीनी अधिकारियों और उनके परिवारों पर लगी पाबंदी को खत्म करने, हुवावे की अधिकारी मेंग वानझोऊ को प्रत्यर्पित करने के लिए कनाडा से न्यायिक अनुरोध वापस लेने की मांग भी शामिल थी। मेंग को पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा जारी बैंक धोखाधड़ी वारंट पर 2018 में कनाडा के वेंकुवर में गिरफ्तार किया गया था। चीनी छात्रों और कंपनियों तथा कन्फ्यूशियस संस्थानों पर लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने का भी आग्रह किया गया।

अमेरिका ने इन मुद्दों का जिक्र कर चीन की दुखती रग पर रखा हाथ

अमेरिकी प्रवक्ता के अनुसार विदेश उप सचिव वेंडी शेरमन ने शिनजियांग में अल्पसंख्यक मुसलमानों पर अत्याचार और डिटेंशनकैंप में रखे जाने का जिक्र करने के साथ ही तिब्बत में मानवाधिकार उल्लंघन और हांगकांग में उसके गैर लोकतांत्रिक तरीकों को लेकर आपत्ति जताई है। अमेरिकी विदेश उप सचिव ने बाइडन प्रशासन की ओर से चीन को इस बात से भी अवगत करायाकि वह विश्व स्वास्थ्य संगठन को सहयोग नहीं दे रहा है और कोरोना वायरस की उत्पत्ति पर दूसरे दौर की जांच से कदम वापस खींच रहा है। इसके अलावा अमेरिका की ओर से साइबर हैकिंग और साउथ चाइना सी में की जा रही हरकतों पर भी अपनी चिंता जताई।

संपादकीय

येदियुरप्पा का इस्तीफा

कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से बीएस येदियुरप्पा की विदाई दीवार पर लिखी वह पुरानी इबारत थी, जो अब पढ़ी गई है। पिछले काफी समय से पार्टी की स्थानीय इकाई में उनके प्रति असंतोष के स्वर मुखर थे, और इसका संदेश जनता में अच्छा नहीं जा रहा था। ऐसे में, पार्टी के केंद्रीय आलाकमान ने एक सीमा के बाद हस्तक्षेप किया, और उसकी परिणति यह इस्तीफा है। अभी चंद दिनों पहले येदियुरप्पा ने दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी, और तभी से मुकर्रर दिन और तारीख को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी आज जिस मजबूत स्थिति में है, उसमें येदियुरप्पा की अहम भूमिका से कोई इनकार नहीं कर सकता। राज्य के मजबूत लिंगायत समुदाय पर प्रभावी पकड़ उनकी दावेदारी का सबसे वजनदार पहलू रही। पर चुनाव जीतना और शासकीय दक्षता, दोनों दो चीजें होती हैं, और येदियुरप्पा के शासनकाल को कर्नाटक में किसी दूरगामी शासकीय फैसले के लिए नहीं याद किया जाएगा।

उनके पुराने कार्यकाल में भ्रष्टाचार के कुछ प्रकरणों और बेल्लारी ब्रदर्स को लेकर काफी विवाद खड़ा हुआ था और अतत- उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। मौजूदा विधानसभा कार्यकाल में भी मई 2018 के चुनाव में सबसे बड़ा दल होते हुए भी उनके पास लोकप्रिय जनादेश नहीं था। बावजूद इसके उन्होंने सरकार बनाने का दावा पेश किया और फिर चंद दिनों के भीतर ही उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ा, क्योंकि विधानसभा में वह जरूरी संख्या नहीं जुटा सके थे। जाहिर है, पार्टी आलाकमान इस उपहास के बाद उनसे बहुत खुश नहीं था। हालांकि, जुलाई 2019 में जोड़-तोड़ से सरकार बनाकर उन्होंने पार्टी के आहत मन पर मरहम लगाने का प्रयास किया, पर दोनों के बीच एक दूरी हमेशा महसूस हुई। राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार से लेकर कई अन्य मसलों पर केंद्रीय व राज्य नेतृत्व की दूरी साफ दिखी। इससे भी वहां पार्टी के भीतर खेमेबाजी बढ़ने लगी थी।

कर्नाटक दक्षिण में भाजपा का गढ़ है, जिसकी मिसाल देकर वह अन्य दक्षिणी प्रदेशों में अपना आधार मजबूत करने का मनसूबा रखती है। लेकिन येदियुरप्पा का शासन उसे वह नजीर नहीं मुहैया करा पा रहा था। यही नहीं, कर्नाटक में अगले दो साल के भीतर ही चुनाव होने वाले हैं और वहां की राजनीतिक अस्थिरता ने लोगों को कमोबेश निराश ही किया है। तब तो और, जब राज्य कोरोना महामारी की गंभीर चुनौती से मुकाबिल है। बताने की जरूरत नहीं कि किसी भी प्रदेश में जल्दी-जल्दी नेतृत्व बदलने से विकास की प्रक्रिया बाधित होती है, क्योंकि हर नेता की अपनी शासन-दृष्टि, प्राथमिकताएं होती हैं। विडंबना यह है कि बड़ी पार्टियों के मजबूत जनाधार वाले क्षेत्रीय राजनेता अब सबको साथ लेकर चलने का हुनर खोते जा रहे हैं, और इसकी कीमत न सिर्फ वे खुद चुकाते हैं, बल्कि पूरे प्रदेश को चुकानी पड़ती है। कर्नाटक में पार्टी के विधायक अब जिसे भी नया मुख्यमंत्री चुनते हैं, उनकी सबसे बड़ी परीक्षा राजनीतिक मोर्चे पर पार्टी को एक रखने में तो होगी ही, प्रदेश के लोगों को एक कुशल प्रशासन देने में भी होगी, जिसकी राह कर्नाटक देख रहा है। उत्तराखंड में नेतृत्व परिवर्तन के बाद येदियुरप्पा को इस्तीफे के लिए मनाकर या फिर बाध्य करके आलाकमान ने अपने अन्य क्षत्रपों को भी संदेश दे दिया है कि सबको साधकर चलना होगा।

ऐसी शिक्षा किस काम की

ऐसी खबरें तो पहले भी आती रही हैं कि सफाईकर्मियों के चंद पदों के लिए हजारों आवेदन आए हैं, हैरानी तब हुई जब यह पता चला कि आवेदकों में अनेकों ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य भी हैं। हमारे देश की जाति व्यवस्था में ये वर्ण ऊपर कहे जाते हैं और सफाईकर्मी के पद को अपने लायक नहीं समझते, लेकिन बेरोजगारी के मारे हमारे देश में इस बात को सामान्य मान लिया गया। ज्यादा चौंकाने वाली बात यह थी कि आवेदकों में अनेक पीएचड़ी और पोस्ट ग्रेजुएट और ग्रेजुएट शामिल थे। अब ऐसी ही एक खबर कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल से आई है। नील रतन सरकार मेड़िकल कालेज हास्पिटल में मुर्दाघर में शवो को संभालने वाले सहायक (ड़ोम) के छह पदों की भर्ती के लिए आठ हजार आवेदन आ गए। मुर्दाघर में शव सहायक का काम करने वालों को 'ड़ोम' कहा जाता है। आमतौर पर पहले से 'ड़ोम' का काम करने वाले लोगों के परिजन ही इस पद के लिए आवेदन करते हैं और काम की प्रकृति के कारण सामान्य अभ्यर्थी इस पद से दूर ही रहते हैं। इसे दुखद नहीं तो और क्या कहेंगे कि आठवीं पास न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता वाले इस काम के लिए आवेदन करने वालों में 100 इंजीनियरिंग ड़िग्रीधारी, 500 पोस्ट ग्रेजुएट और 2,200 ग्रेजुएट शामिल हैं। लिखित परीक्षा के लिए बुलाए गए 784 आवेदकों में 84 महिलाएं भी शामिल हैं, पंद्रह हजार फिक्स मासिक वेतन वाले इस काम के लिए लिखित परीक्षा एक अगस्त को होनी है। ड़ोम पद के लिए इतने उच्च शिक्षित लोगों का आवेदन करना बेहद हैरान करने वाला और दुखद है। सोचकर दुख होता है कि यही काम करना था तो इंजीनियरिंग और पोस्ट ग्रेजुएशन तक पढ़ाई करने की क्या जरूरत थी। दरअसल जबसे शिक्षा ने कारोबार का रूप ले लिया है तबसे स्थितियां निरंतर बिगड़ती जा रही हैं। बहुत पहले ही प्राथमिक शिक्षा निजी हाथों में चली गई थी। उदारीकरण के दौर में उच्च शिक्षा भी निजी हाथों में चली गई। अब तो सरकार ने भी इस स्थिति को मंजूर कर लिया है। आज निजी क्षेत्र की शिक्षण संस्थाओं का बोलबाला है। महंगी फीस देकर निजी कालेजों से स्तरहीन शिक्षा पाकर लाखों इंजीनियर, पोस्टग्रेजुएट, एमबीए और ड़ाक्टर प्रतिवर्ष निकल रहे हैं। इससे रोजगार बाजार में बेरोजगारों की संख्या बढ़ती जा रही है। 'ड़ोम' के पद के लिए उच्च शिक्षित उम्मीदवारों की मारामारी इसी का नतीजा है।

टू दि प्वाउंट/आलोक पुराणिक

सरकारों की जिम्मेदारियां

तो मतलब, स्वास्थ्य का मामला राज्य सरकारों का विषय है, सही है। पर केंद्र सरकार भी तो कुछ करती है। जी यह कर देती है कि बता देती है कि स्वास्थ्य राज्य सरकारों का विषय है। तो मतलब, इंसानी जिंदगी की वैल्यू तो हर स्तर पर होनी चाहिए। जी बिलकुल पर राज्य के स्तर पर ज्यादा होनी चाहिए-यह केंद्र सरकार का कहना है। और इंसानी जान की वैल्यू केंद्र सरकार को ही करनी चाहिएए ऐसा तमाम राज्य सरकारें कहती हैं। तो मतलब हम क्या मानें कि इंसानी जिंदगियों की जिम्मेदारी किस की है। जी बात दरअसल यह है कि इंसान को और आम इंसान को अपनी जान की चिंता खुद ही करनी चाहिए। सरकार कहां कहां तक रोक सकती है आम आदमी की जान जाने से। सवारी अपने सामान की रक्षा खुद करे टाइप भाव में आम आदमी अपनी जान की रक्षा खुद ही करे। तो मतलब यह बताइये कि आक्सीजन की कमी हो और कोरोना हो गया हो, तो आम आदमी अपनी जान की रक्षा कैसे कर सकता है। जी केंद्र सरकार बता चुकी है कि सेहत राज्य का विषय है और कई राज्य सरकारें बता चुकी हैं कि इंसानी जान की मूल चिंता केंद्र सरकार को करनी चाहिए। तो मतलब आम आदमी जाये कहां, यह तो साफ हो। जी आम आदमी जाये ही क्यों, जायेगा तो उसे कौन बेड मिल जायेगा अस्पताल में। आम आदमी घर में पड़ा रहे, निकल जाये ऊपर तो निकल ले, किसे क्या फर्क पड़ जायेगा। तो मतलब आम आदमी की कोई वैल्यू ना है। जी ऐसा तो ना कहा गयाए केंद्र सरकार की तरफ से कहा कि यह वैल्यू राज्य सरकारों को करनी चाहिए और राज्य सरकारें कह रही हैं कि वैल्यू करने की यह जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है। तो मतलब साफ बताइये कि जिम्मेदारी है किसकी। जी बताया ना सवारी अपनी जान की रक्षा खुद करे। तो मतलब यह बतायें कि सरकारें होती क्यों हैं। केंद्र सरकार यह बताने को होती है कि जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है और राज्य सरकारें यह बताने को होती हैं कि इस मसले पर केंद्र सरकार को ही कुछ करना चाहिए था। जी समझ गये। यह भी समझ गए कि दोनों एक दूसरे की बात समझ जाएं तो सारा लफड़ा ही निपट जाए।

जासूसी की पुरानी दोधारी तलवार

विभूति नारायण राय

मनुष्य की सबसे पुरानी गतिविधियों में शरीक जासूसी, एक ग्रीक पौराणिक चरित्र पेगासस के चलते हमारे विमर्श के केंद्र में आ गई है। किसी ने नहीं सोचा था कि एक बार बोतल से बाहर आने के बाद जिन्न किन-किन के कंधों पर बैठेगा। यह तो पाखंड होगा कि कोई जासूसी की जरूरत या उसकी व्यापकता को सिरे से ही नकार दे, लेकिन इस बार अपने भी सकपकाए हुए हैं। न उगलते बन रहा है, न निगलते। हमारी आज की दुनिया में जासूसीके दो तरीके सर्वाधिक लोकप्रिय हैं। पहला, 'ह्यूम इंट' यानी इंसानों के जरिये जासूसी और दूसरा, 'इलेक्ट इंट' यानी संवाद प्रेषित करने या प्राप्त करने के उपकरणों में सेंध लगाकर मतलब की सूचनाएं हासिल करना। यदि सरल भाषा में कहना हो, तो पेगासस दूसरी श्रेणी में आएगा, पर यह इतना आसान भी नहीं है। इसका सबसे बड़ा कारण उन लोगों का चयन है, जिन्हें जासूसी के लिए चुना गया था। यहां यह याद रखना होगा कि इजरायली कंपनी एनएसओ द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर पेगासस को वहां की सरकार ने 'युद्ध के हथियार' के रूप में घोषित कर रखा है। 'युद्ध का हथियार' घोषित उत्पाद की बिक्री सरकारी नियंत्रण में आ जाती है। भारतीय नागरिकों के लिए यह समझना थोड़ा मुश्किल जरूर होगा, क्योंकि हमारे यहां अभी तक ऐसी सामग्री सार्वजनिक क्षेत्र में ही निर्मित होती है, लेकिन हाल में फ्रांसीसी युद्धक विमान राफेल की खरीद से इसे समझा जा सकता है। राफेल को एक निजी फ्रेंच कंपनी ने बनाया जरूर है, पर वह इसे किसी देश को बेचेगी तभी, जब उसे अपनी सरकार की इजाजत मिल जाए। एनएसओ के लिए भी जरूरी है कि वह पेगासस इजरायल सरकार की अनुमति से ही किसी ऐसी सरकार को बेचे, जिसका मानवाधिकारों का ट्रैक रिकॉर्ड अच्छा रहा हो। इसे किसी गैर-सरकारी संघटन को नहीं बेचा जा सकता।

> कोई शक नहीं कि देश में फोन टैपिंग के लिए एक निर्धारित कानूनी प्रक्रिया है, पर पेगासस जैसे सॉफ्टवेयर तो बिना किसी मान्य कायदे-कानून के उपयोग में लाए जा सकते हैं।

पेगासस अपनी श्रेणी में अब तक का सबसे घातक सॉफ्टवेयर है। इसे किसी भी मोबाइल फोन, कंप्यूटर या लैपटॉप में बिना उससे शारीरिक संपर्क किए डाला जा सकता है। यहां तक कि काफी हद तक सुरक्षित समझी जाने वाली एपल की मशीनें भी इसके निशाने से नहीं बच सकतीं। केवल एक निर्दोष सा संदेश पढ़े जाते ही यह सॉफ्टवेयर किसी भी उपकरण में ऐसे वायरस का प्रवेश करा देगा, जिससे उस उपकरण की सारी गतिविधियों तक उसके हैंडलर की पहुंच मुमकिन हो जाएगी। यह वायरस उपकरण में उपलब्ध कैमरा, वायस रिकॉर्डर, मेल, भौगोलिक उपस्थिति या कोई भी दूसरा एप, जिसे डाउनलोड किया गया होगा, अपने हैंडलर को सुलभ करा देगा। इसमें यह भी सलाहियत है कि पकड़े जाने का खतरा होने पर या गलती से किसी दूसरे सिमकार्ड से संपर्क हो जाने पर यह खुद को नष्ट भी कर सकता है। शायद उसकी इन्हीं क्षमताओं के कारण निर्माता कंपनी पर रोक है कि वह इस उत्पाद को किसी गैर-सरकारी संघटन को नहीं बेचेगी।

दुनिया की तो छोड़े, ऐसा भी नहीं कि भारत में पहली बार अपने विरोधियों की जासूसी कोई सरकार करा रही थी। प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की सरकार इस आरोप पर गिर गई थी कि खुफिया एजेंसी के लोग राजीव गांधी के घर की निगरानी कर रहे थे। सभी जानते हैं कि एक निश्चित प्रक्रिया के तहत सक्षम प्राधिकारी से अनुमति लेकर किसी के टेलीफोन सुनना एक वैध कार्रवाई है, फिर क्या वजह है कि इस बार इतना शोर-शराबा हो रहा है? इसके दो परेशान करने वाले कारण हैं। एक तो यह सॉफ्टवेयर सिर्फ सरकारों को बेचा जा सकता है और दूसरा, शिकार हुए लोगों की जो सूची एमनेस्टी इंटरनेशनल ने जारी की है, वह बड़ी विविधतापूर्ण है।

इस सूची में राहुल गांधी या ममता बनर्जी के करीबियों के नाम तो हैं ही, इसमें सत्ता पार्टी के एक वर्तमान और एक भावी मंत्री का नाम भी है। पत्रकारों और ऐक्टिविस्टों से होती हुई आपकी निगाहें एक नाम पर अटक जाती हैं, जो सर्वोच्च न्यायालय की एक कनिष्ठ महिलाकर्मी का है। न सिर्फ उसका, बल्कि उसके पति समेत कई रिश्तेदारों के टेलीफोन नंबर इस फेहरिस्त में हैं। इस कर्मी ने तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश के खिलाफ यौन उत्पीड़न की एक शिकायत दर्ज कराई थी। फोन की निगरानी और महिलाकर्मी की शिकायत का समय एक ही है, इसलिए स्वाभाविक रूप से कुछ गंभीर सवाल भी उठ रहे हैं।

नीतिगत कारणों से भारत में पेगासस किसी गैर-सरकारी संस्था के पास नहीं हो सकता, इसलिए और जरूरी है कि सरकार स्पष्ट करे कि उसने यह सॉफ्टवेयर खरीदा था या नहीं? मात्र इतना बयान देने से कि उसकी किसी एजेंसी ने फोन जासूसी नहीं की है, काम नहीं चलेगा। वैसे भी, यह मानवाधिकारों से जुड़ा मामला है और दुर्भाग्य से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने भारत का रिकॉर्ड खराब हुआ है। अगले हफ्ते अमेरिकी विदेश मंत्री नई दिल्ली आ रहे हैं और उनके प्रस्तावित एजेंडे में मानवाधिकार एक मुद्दा है। बहुत संभावना है कि पेगासस का मामला भी उठे।

एनएसओ ने विवाद बढ़ने के बाद अपनी सफाई में कहा है कि पेगासस के कारण करोड़ों लोग दुनिया में चैन की नींद ले पाते हैं। बात सही हो सकती है, अगर इसका उपयोग माफिया या आतंकी गुटों के खिलाफ किया जाए। पहली बार इस सॉफ्टवेयर का सफल इस्तेमाल मैक्सिको में ड्रग माफिया के खिलाफ किया गया और तभी दुनिया का ध्यान इसकी तरफ गया भी। हमारे देश में, जहां आतंकवाद या संगठित अपराधों के सामने कई बार राज्य बौना लगने लगता है, इसका प्रभावी इस्तेमाल हो सकता है। पर यह एक दोधारी तलवार की तरह है। यह याद रहे, अभी भी लोकतंत्र भारतीय समाज में बहुत पवित्र मूल्य नहीं बन पाया है, इसलिए सरकारों की स्वाभाविक इच्छा हो सकती है कि वे अपने विरोधियों की जासूसी कराएं। ऐसे में, पेगासस जैसे सॉफ्टवेयर का निरंकुश प्रयोग सारी संस्थाओं के लिए, जिनमें स्वतंत्र न्यायपालिका व निर्भीक पत्रकारिता भी शरीक हैं, खतरा है। कोई शक नहीं कि देश में फोन टैपिंग के लिए एक निर्धारित कानूनी प्रक्रिया है, पर पेगासस जैसे सॉफ्टवेयर तो बिना किसी मान्य कायदे-कानून के उपयोग में लाए जा सकते हैं। ये अपने पीछे कोई निशान नहीं छोड़ते, इसलिए बाद में दोषी का पता लगाना भी लगभग असंभव होता है। खतरा जितना बड़ा है, उसमें गणतंत्र की सारी संस्थाओं को सिर गड़ाकर एक साथ विचार करना होगा और इससे निपटने के लिए मिलकर रणनीति बनानी ही होगी, तभी लोकतंत्र सुरक्षित रह सकेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

राजद्रोह कानून

असहमति की आवाज का सम्मान जरूरी

अनुप भटनागर

न्यायपालिका लगातार इस बात पर जोर दे रही है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति को राजद्रोह या आतंकवाद नहीं माना जा सकता है। न्यायपालिका लगातार इस बात की पक्षधर रही है कि असहमति की आवाज का सम्मान होना चाहिए। असहमति की आवाज दबाना उचित नहीं है क्योंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह सेफ्टी वाल्व की तरह है। अब इस असहमति को भी परिभाषित करने और इसकी लक्ष्मण रेखा खींचने की आवश्यकता महसूस हो रही है।

नि-संदेह, असहमति संविधान के अनुच्छेद 19 (1)(ए) में प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी को प्रतिबिंबित करती है। प्रत्येक नागरिक को बोलने की स्वतंत्रता प्रदान करने वाले अनुच्छेद 19 (1)(ए) और इस संबंध में अनेक न्यायिक व्यवस्थाओं में स्पष्ट किया गया है कि अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार निर्बाध नहीं है और आवश्यकता पड़ने पर नियंत्रित किया जा सकता है।

कई बार इनका काफी विकृत रूप भी देखने को मिलता है। सरकार के किसी भी निर्णय पर असहमति व्यक्त करने के लिए शांतिपूर्ण तथा अहिंसक तरीके से धरना-प्रदर्शन और बंद का आयोजन किया जा सकता है लेकिन असहमति व्यक्त करने के इस सिलसिले में अगर हिंसा और तोड़फोड़ होने लगे तो क्या होगा?

सवाल उठता है कि क्या किसी मुद्दे पर असहमति व्यक्त करने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में संचार टावर तोड़े जा सकते हैं या असहमति के स्वर को धारदार बनाने के लिए लालकिले की प्राचीर पर ध्वज फहराया जा सकता है या किसी राज्य का संपर्क पूरे देश से तोड़ने या हिंसा का मार्ग अपनाने के लिये आन्दोलनकारियों को प्रोत्साहित किया जा सकता है? या सिंचाई की नहर क्षतिग्रस्त करने अथवा आंदोलनरत वर्ग द्वारा किसी भी सत्तारूढ़ दल के नेता को गांवों में आने पर देख लेने की धमकी दी जा सकती है? निश्चित ही ये गतिविधियां किसी भी तरह से 'असहमति' के दायरे में नहीं मानी जायेंगी। अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के इस्तेमाल के नाम पर कोई भी व्यक्ति या वर्ग या समूह किसी व्यक्ति या समुदाय के बारे में कटुता नहीं फैला सकता है। अभिव्यक्ति की आजादी का नतीजा सोशल मीडिया पर नजर आ रहा है जहां राजनीतिक दलों, नेताओं के साथ ही न्यायपालिका और इसके सदस्यों के बारे में भी आपत्तिजनक टिप्पणियां हो रही हैं। यही वजह है कि न्यायपालिका भी महसूस करती है कि सोशल मीडिया पर इस तरह की अनर्गल और बेबुनियाद टिप्पणियां करने की गतिविधि पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है।

निन्-संदेह विवादास्पद कृषि कानून, नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर जैसे कई मुद्दों पर किसान और समाज का एक वर्ग उत्तेजित है। साथ ही यह तथ्य भी सही है कि इन्हीं आन्दोलनों के दौरान कई स्थानों पर हिंसा भी हुई है। उत्तर पूर्वी दिल्ली में पिछले साल फरवरी में हुई हिंसक घटनाएं किसी से छिपी नहीं हैं। कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग के साथ आंदोलन कर रहे किसानों के एक वर्ग ने हिंसा भी की।

सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के लिये आरक्षण सहित ऐसे अनेक विषय हैं, जिन्हें लेकर विभिन्न संगठनों और समूहों ने आन्दोलन शुरू किया, लेकिन आगे चलकर इसका रूप बदल गया और इसमें हिंसा भी शामिल हो गयी।

सरकार के रवैये से नाराज होकर आंदोलन तेज करने के दौरान हिंसा के लिए उकसाने या फिर तोड़फोड़ जैसी घटनाएं भी हुईं। इन घटनाओं की जांच के दौरान पुलिस ने भारतीय दंड संहिता के विभिन्न प्रावधानों के तहत मामले दर्ज किये। कई प्रकरण में पुलिस ने स्वयं या निजी शिकायत के आधार पर राजद्रोह के आरोप में भी मामला दर्ज किया।

हाल के वर्षों में शीर्ष अदालत के अनेक न्यायाधीशों ने कई अवसरों पर असहमति को जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक बताते हुए इसके सम्मान पर जोर दिया है। न्यायपालिका ने इस तथ्य को भी इंगित किया है कि समाज में विभिन्न मुद्दों पर विपरीत विचारधारा के लिये असहिष्णुता बढ़ रही है, जो चिंता की बात है। लेकिन इसके साथ ही लोकतंत्र में असहमति और असहमति व्यक्त करने के लिये हिंसा, तोड़फोड़ करने या फिर विघटनकारी गतिविधियों का सहारा लेने जैसे कृत्यों के बीच अंतर करने और असहमति के स्वरूप को परिभाषित करने की भी आवश्यकता है। असहमति के दायरे के निर्धारण के अभाव में आज समाज के हर वर्ग और समूह के लोग विभिन्न मुद्दों पर अपनी असहमति व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर असंयमित और अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते हैं।

इस समय उच्चतम न्यायालय में राजद्रोह के अपराध से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 124 ए को असंवैधानिक घोषित करने के अनुरोध के साथ अनेक याचिकाएं लंबित हैं। इन याचिकाओं में भी असहमति की आवाज उठाने वालों के प्रति धारा 124 ए के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है। इस मामले में न्यायालय ने केन्द्र से जवाब मांगा है।

न्यायालय भी 'औपनिवेशिक काल' के राजद्रोह संबंधी दंडात्मक कानून के 'दुरुपयोग' से चिंतित है और उसने कहा भी है कि एक गुट दूसरे समूह के लोगों को फंसाने के लिए इस प्रकार के (दंडात्मक) प्रावधानों का सहारा ले सकता है। यही नहीं, यदि कोई विशेष पार्टी या लोग (विरोध में उठने वाली) आवाज नहीं सुनना चाहते हैं, तो वे इस कानून का इस्तेमाल दूसरों को फंसाने के लिए कर सकते हैं।

उम्मीद की जानी चाहिए कि राजद्रोह कानून भारतीय दंड संहिता में उपलब्ध होने के परिप्रेक्ष्य में दायर तमाम याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय अपनी व्यवस्था में 'असहमति' के दायरे और स्वरूप को भी परिभाषित करेगा।

मुद्दा

बारिश, बाढ़ और तबाही

रविशंकर

लगातार हो रही बारिश के चलते महाराष्ट्र, बिहार, कर्नाटक और गोवा में बाढ़ का कहर जारी है। जहां बिहार में 11 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं, तो वहीं महाराष्ट्र और गोवा में स्थिति बिगड़ते देख एयरफोर्स और नेवी ने मोर्चा संभाल लिया है। महाराष्ट्र में बारिश से संबंधित घटनाओं में अब तक 129 लोगों की मौत हो चुकी है। बिहार में करीब 15 लाख आबादी प्रभावित है। अब तो ऐसा लगता है बिहार में हर वर्ष बाढ़ आना एक परंपरा या त्यौहार बन चुका है। यह सुनना अब आम हो चुका है कि बिहार के कुछ इलाके पूरी तरह से डूब चुके हैं ऐसा इस बार पहली बार नहीं हुआ है। बल्कि हर साल बिहार के लोगों को इस तरह की त्रासदी का सामना करना पड़ता है। ना जाने ऐसा और कब तक चलेगा। यह ठीक है कि शासन-प्रशासन की तरफ से राहत और बचाव के लिए गंभीर प्रयास जारी हैं। लेकिन प्रकृति ने जो इस बार कहर बरपाया है सब कुछ वैसा ही है जैसा दशकों से हो रहा है। लेकिन हर साल वही कहानी दोहराई जाती है। बाढ़ आती है, हल्ला मचता है, दौरे होते हैं और राहत पैकेज की घोषणाएं होती हैं। लेकिन इस समस्या से निपटने के लिए पहले से कोई तैयारी नहीं की जाती। अब सवाल ये है कि चांद पर झंडा बुलंद करने वाले इस देश की सरकारें जमीन पर आने वाली इस प्रलय के लिए आखिर कोई मिशन क्यों नहीं बना सकीं? हर साल आम लोग क्यों सरकार की नाकामी की बलि चढ़ते जा रहे हैं?

भारत में बाढ़ आना कोई नई बात नहीं है। देश के हर भाग में हर साल छोटी-मोटी बाढ़ तो आती ही रहती है जिससे देश को करोड़ों रुपयों का नुकसान उठाना पड़ता है। बादल फटने और नदियों के मार्ग बदलने से नए-नए इलाकों में बाढ़ आती है। राष्ट्रीय बाढ़ आयोग के अनुसार देश का लगभग 400 लाख हेक्टेयर इलाका बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के अंतर्गत आता है। और हर साल लगभग 76 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बाढ़ आती है। उसकी मात्रा में हर साल इज़ाफा हो रहा है। औसतन 35 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की फसल नष्ट होती है। आशंका है कि आने वाले सालों में जलवायु परिवर्तन का असर बाढ़ की विभीषिका तथा जानमाल की हानि के ग्राफ को बढ़ाएगा। भारत सरकार के आंकड़ों पर आधारित विश्व बैंक के एक अध्ययन में अंदेशा जताया गया है कि 2040 तक देश के ढाई करोड़ लोग भीषण बाढ़ की चपेट में होंगे। बाढ़ प्रभावित आबादी में ये छह गुना उछाल होगा।

बाढ़ और सूखा ऐसी प्राकृतिक आपदा हैं जो हर साल देश को भारी आतथक क्षति पहुंचाती है। गौर करने वाली बात यह है कि हर बार हम इस तरह की त्रासदी से तो निकल जाते हैं लेकिन बिहार, बंगाल, उत्तर प्रदेश, असम, मध्यप्रदेश जैसे राज्यों में बाढ़ से तबाही की कहानी नहीं बदलती। आखिर, बाढ़ का पानी अपनी ताकत भर नुकसान करके उतर जाता है। कुछ लोग अपने घर-बार और रोजी-रोजगार से हमेशा के लिए उजड़ कर कहीं और पलायन कर जाते हैं, जबकि ज्यादातर लोग बिखरी हुई हिम्मत समेट कर फिर से जिंदगी की शुरु आत करने की कोशिश करते हैं। शासन के गलियारे से लेकर गांव के चौपाल तक यही मान लिया जाता है कि बाढ़ कुदरत का प्रकोप है और इससे बच पाना बहुत मुश्किल। यह भी मान लिया जाता है कि राज और समाज ऐसी विपत्ति में बस राहत और बचाव के ही काम कर सकते हैं, बाढ़ पर नियंत्रण नहीं। राहत-बचाव का मसला ही बाढ़ पर होनेवाली सार्वजनिक चर्चा की धुरी बन जाता है। लोग अपने सूबे की सरकार को कोसते हैं और सूबे की सरकार केंद्र सरकार को उलाहना देती है। लेकिन, इस मूल बात पर चर्चा नहीं हो पाती है कि बाढ़ प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानव-नितमत आपदा है। यह ठीक है कि पिछले साठ-सत्तर सालों में बाढ़ के असर को कम करने के लिये अनेक काम हुए हैं । फिर भी स्वतंत्रता के सात दशकों के उपरांत भी हम इस समस्या का कोई स्थाई हल नहीं निकाल सके जिससे बाढ़ के द्वारा होने वाले नुकसान को अधिक से अधिक नियंत्रित किया जा सके। बाढ़ की रोकथाम सरकार का पूर्ण दायित्व है। इसे रोकने हेतु निरतंर प्रयास हो रहे हैं । इस दिशा में हमें आंशिक रूप से सफलता भी प्राप्त हुई है फिर भी अभी और भी प्रयास आवश्यक हैं। हमें विकास है कि आने वाले वर्षा में हम इन आपदाओं से होने वाले नुकसान को पूर्णत नियंत्रित कर सकेंगे। इसके लिए दीर्घकालीन रणनीति पर अमल करना होगा तथा जिन क्षेत्रों में प्रतिवर्ष बाढ़ आता है वहाँ जलसंचय के वैकल्पिक उपाय करने होंगे।

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीट्यूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीट्यूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीट्यूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीट्यूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीट्यूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीट्यूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीट्यूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीट्यूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीट्यूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीट्यूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीट्यूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीट्यूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीट्यूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीट्यूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीट्यूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीट्यूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीट्यूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीट्यूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीट्यूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीट्यूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

रुपया पांच पैसे की गिरावट के साथ 74.47 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ

मुंबई, घरेलू शेयर बाजार के हानि के साथ बंद होने और विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को रुपया पांच पैसे की गिरावट के साथ प्रति डालर 74.47(अस्थायी) पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि रुपये में एक सीमित दायरे में घटबढ रही । निवेशकों को इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से आगे के संकेतों का इंतजार है। मासांत की डाल मांग से भी रुपये में गिरावट आई। अन्तरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 74.36 प्रति डालर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 74.35 के उच्च स्तर और 74.54 के निम्न स्तर तक हल्का होने के बाद अंत में प्रति डालर पांच पैसे की गिरावट के साथ 74.47 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। सोमवार को यह 74.42 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत बढ़कर 92.76 हो गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 273.51 अंक की गिरावट के साथ 52,578.76 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक जिंस वायदा बाजार में ब्रेंट क्रूड की दर 0.39 प्रतिशत बढ़कर 74.79 डॉलर प्रति बैरल हो गयी। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने सोमवार को 2,376.79 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

एक्सिस बैंक ने आईबीबीआईसी में 5.55 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नयी दिल्ली, एक्सिस बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसने वित्तीय प्रौद्योगिकी फर्म आईबीबीआईसी में 5.55 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि उसने आईबीबीआईसी प्राइवेट लिमिटेड (आईबीबीआईसी) के 10 रुपये के अंकित मूल्य के 50,000 इक्विटी शेयर खरीदे हैं, जो आईबीबीआईसी के जारी और चुकता पूंजी का 5.55 प्रतिशत है। इस साल मई में स्थापित आईबीबीआईसी मंच भारतीय वित्तीय सेवा क्षेत्र को डिस्ट्रिब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी (डीएलटी) समाधान मुहैया कराता है। एक्सिस बैंक ने बताया कि यह सौदा पांच लाख रुपये में हुआ।

टाटा कम्युनिकेशंस ने भारत में आईजेडओ वित्तीय क्लाउड मंच पेश किया

नयी दिल्ली, टाटा कम्युनिकेशंस ने मंगलवार को भारत में आईजेडओ वित्तीय क्लाउड मंच पेश करने की घोषणा की, जिसका मकसद बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में कंपनियों के प्रदर्शन और सुरक्षा को बढ़ाना है। टाटा कम्युनिकेशंस ने एक बयान में कहा कि क्लाउड मंच अगली पीढ़ी के डिजिटल बदलावों को सक्षम बनाता है। इसे सख्त डेटा गोपनीयता और सुरक्षा अनुपालन, बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र के लिए भारत के नियामकों द्वारा परिभाषित सुरक्षा मानदंडों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। कंपनी ने कहा, ''टाटा कम्युनिकेशंस आईजेडओ निजी क्लाउड पर विकसित यह मंच एक खुले बैंकिंग परिवेश के निर्माण में सहायता करता है, जो बीएफएसआई और फिनटेक के लिए उन्नत डिजिटल सेवाओं को सक्षम करता है।'' बयान के मुताबिक यह मंच अंतरराष्ट्रीय बैंकों को देश में डेटा स्थानीयकरण संबंधी जरूरतों को पूरा करके भारत में विस्तार के लिए सक्षम बनाता है।

28 प्रतिशत भारतीयों की यात्रा की योजना, कोविड की तीसरी लहर का खतरा बढ़ना तय: रिपोर्ट

मुंबई:

देश में 28 प्रतिशत भारतीय इस वर्ष अगस्त-सितंबर के बीच यात्रा करने की योजना बना रहे हैं, जिससे कोविड-19 की तीसरी लहर का खतरा बढ़ना तय है। एक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म लोकलसर्कल्स ने एक बयान में कहा कि 12 अप्रैल के उसके सर्वेक्षण में कोविड-19 की दूसरी लहर के खतरे के प्रति आगाह करते हुए सरकारों को यात्रा प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया गया था। उसने कहा कि कोविड की संभावित तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए जोखिम का अनुमान लगाने और आने वाले महीनों के लिए लोगों की यात्रा योजनाओं को समझने के लिए उसने एक और सर्वेक्षण किया। इसमें लोगों से उनकी यात्रा का कारण भी पूछा गया। इस सर्वेक्षण में 311 जिलों के 18,000 लोगों ने भाग लिया, जिसमें से 68 प्रतिशत पुरुष और शेष महिलाएं शामिल रहीं। लोकलसर्कल्स ने बताया कि 28 प्रतिशत नागरिक अगस्त-सितम्बर के दौरान यात्रा की योजना बना रहे हैं। हालांकि इनमें से केवल पांच प्रतिशत लोगों ने बुकिंग की है। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 की दूसरी भीषण लहर के

दौरान कई लोगों को गर्मियों के लिए अपनी यात्रा योजना रद्द करनी पड़ी थी, जिसके बाद लोग अब यात्रा की योजना बना रहे हैं।

बाल्को की समेल्टर क्षमता बढ़ाने के लिये अगले दो साल में 6,600 करोड़ रुपये निवेश करेगी वेदांता

नयी दिल्ली,

खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता ने मंगलवार को कहा कि वह बाल्को की स्मेल्टर क्षमता बढ़ाने के लिये अगले दो साल में 6,611 करोड़ रुपये निवेश करेगी। भारत एल्युमीनियम कंपनी (बाल्को) वेदांता समूह की कंपनी है। इसके अलावा, ओड़िशा के झारसुगुडा में कंपनी का कार्बन संयंत्र कारोबार 635 करोड़ रुपये की लागत से एक नया कार्बन संयंत्र स्थापित करेगा। वेदांता ने एक बयान में कहा, ''कंपनी भारत एल्युमीनियम कंपनी की स्मेलटर क्षमता बढ़ाएगी। इसके लिये अगले डेढ़ से दो साल में 6,611 करोड़ रुपये निवेश करेगी।'' इससे बाल्को की स्मेल्टर क्षमता 441 किलो टन सालाना बढ़कर करीब 10 लाख टन पहुंच जाएगी। वेदांता समूह के सीईओ सुनील दुग्गल ने कहा, ''बाल्को का विस्तार हमारे लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है। हमें अगले 18-24 महीनों में स्मेल्टर क्षमता में वृद्धि की उम्मीद है। इस विस्तार के बाद वेदांता की एल्युमीनियम क्षमता बढ़कर 28 लाख टन हो जाएगी।''

सोने में 123 रुपये और चांदी में 206 रुपये की गिरावट

नयी दिल्ली, वैश्विक बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों के कमजोर होने के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 123 रुपये की गिरावट के साथ 46,505 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। सोने का पिछला बंद भाव 46,628 रुपये प्रति 10 ग्राम था। चांदी भी 206 रुपये की गिरावट के साथ 65,710 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। इसका पिछला बंद भाव 65,916 रुपये था। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सुबह के कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपये का भाव चार पैसे की गिरावट के साथ 74.44 रुपये प्रति डॉलर रह गया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,795 डॉलर प्रति औंस रह गया जबकि चांदी 25.16 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल के अनुसार, ''अमेरिकी एफओएमसी की बैठक से पहले व्यापारियों और निवेशकों के सतर्क होने से सोने की कीमतों पर दबाव बना रहा जिसमें 1,800 डॉलर के नीचे कारोबार हुआ।''

दूसरी लहर का अर्थव्यवस्था पर ज्यादा समय तक नुकसान देखने को मिल सकता है: मूडीज

बिजनेस डेस्क:

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर का भारतीय अर्थव्यवस्था पर ज्यादा समय तक प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकता है और एक बार फिर निर्यात पुनरूद्धार का आधार बनेगा। मूडीज एनालिटिक्स ने सोमवार को यह कहा। 'एपीएसी आर्थिक परिदृश्यः डेल्टा बाधा' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में मूडीज एनालिटिक्स ने कहा कि सामाजिक दूरी का चालू तिमाही पर असर हो रहा है लेकिन साल के अंत तक आर्थिक पुनरूद्धार फिर से शुरू हो जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 का डेल्टा किस्म अब एशिया-प्रशांत (एपीएसी) क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कारकों में से एक है लेकिन इस क्षेत्र में आवाजाही को लेकर प्रतिबंधों का जो असर है, वह पिछले साल की दूसरी तिमाही में आर्थिक नरमी जितनी गंभीर नहीं होगा। भारत में अर्थव्यवस्था में निर्यात की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम है। जिंसों के ऊंचे दाम से निर्यात का मूल्य बढ़ा है। यह एक यह एक ऐसा कारक है जिसने कोविड-19 की पहली विनाशकारी लहर के बाद भारत को फिर से पटरी पर लाने में मदद की। रिपोर्ट में कहा गया है, ''दूसरी लहर जब

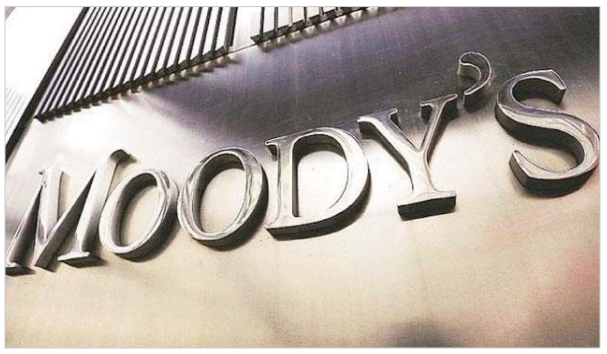

अब समाप्त होने की ओर बढ़ रहा है, उसका अर्थव्यवस्था पर ज्यादा समय तक नुकसान देखने को मिल सकता है। इसका कारण महामारी से छोटे कारोबारियों का बुरी तरह प्रभावित होना है। वहीं निर्यात पुनरूद्धार का एक बार फिर आधार होगा।'' वित्तीय जानकारी और विश्लेषण से जुड़ी मूडीज एनालिटिक्स ने टीकाकरण के संदर्भ में लिखा है कि भारत टीकाकररण अभियान को गति देने को लेकर जूझता दिख रहा है। उसने कहा कि वैश्विक आर्थिक पुनरूद्धार ठोस गति से जारी है लेकिन एशिया के कुछ देशों में यह अल्प अवधि में प्रतिबिंबित होता नहीं दिखता। विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में। इसका कारण कोविड-19 का डेल्टा संस्करण का पूरे क्षेत्र में फैलना और उसकी रोकथाम के लिये सामाजिक दूरी से जुड़ी पाबंदियां हैं। मूडीज एनालिटिक्स के अनुसार इस साल वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर 5 से 5.5 प्रतिशत रहेगी। यह 3 प्रतिशत की संभावित वृद्धि दर से ज्यादा है। इसका कारण पिछले साल की महामारी से जुड़ी नरमी के बाद से पुनरूद्धार बरकरार है।

शेयर बाजारों में दूसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 273 अंक लुढ़का

मुंबई:

स्थानीय शेयर बाजारों में बिकवाली दबाव से मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट आयी और मानक सूचकांक-बीएसई सेंसेक्स 273 अंक से अधिक लुढ़क गया। कंपनियों के तिमाही परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहने और चीन में प्रौद्योगिकी कंपनियों के खिलाफ नियामकीय कार्रवाई के बाद एशियाई बाजारों में बिकवाली से धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई30 सेंसेक्स शुरू में बढ़त पर था। पर बाद में यह दबाव में आ गया। अंत में यह 273.51 अंक यानी 0.52 प्रतिशत लुढ़क कर 52,578.76 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 78 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 15,746.45 अंक पर बंद हुआ। डॉ रेड्डीज का शेयर 10.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में रहा। खर्च बढ़ने से कंपनी का एकीकृत लाभ जून 2021 को समाप्त तिमाही में 36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 380.4 करोड़ रुपए रहने की खबर से शेयर टूटा। इसके अलावा, एक्सिस बैंक, सन फार्मा, कोटक बैंक, एचडीएफसी और आईटीसी 3.23 प्रतिशत तक नीचे आये। दूसरी तरफ टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, नेस्ले इंडिया और एल एंड टी समेत अन्य शेयर लाभ में रहें। इनमें 2.50 प्रतिशत तक की तेजी आई। एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा, ''चीन सरकार की नीतियों के साथ वहां के बाजारों में वैश्विक कोषों की बिकवाली से निवेशकों में घबराहट आई और घरेलू बाजार में तेजी जाती रही। हालांकि यह सबको पता है कि इसका भारत पर सकारात्मक असर भी होगा। उन्होंने कहा कि बैंक और दवा कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली देखी गई। इसका कारण कुछ औषधि कंपनियों को लेकर नकारात्मक खबरों का होना है। दूसरी तरफ कपड़ा निर्यातकों और कॉफी वायदा मजबूत होने से कॉफी कंपनियों के शेयरों में अच्छी तेजी रही। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर के अनुसार, ''घरेलू बाजार पर मंदड़िये हावी रहे। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख और दवा कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बाजार शुरूआती बढ़त को बरकरार नहीं रख पाया। मुख्य रूप से दवा कंपनियों ने बाजार को नीचे लाया। इसका कारण तिमाही परिणाम हैं जिनकी शुरूआत अच्छी नहीं है। इससे बाजार में घबराहट आई क्योंकि औषधि क्षेत्र से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि धातु और टिकाऊ उपभोक्ता सामान को छोड़कर सभी प्रमुख क्षेत्र नकारात्मक दायरे में रहे। अमेरिकी

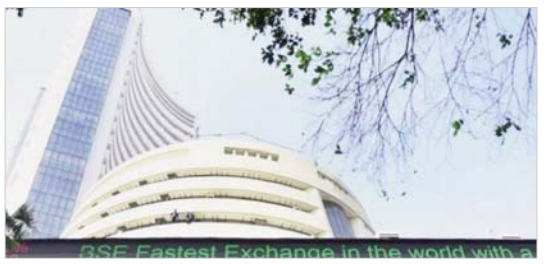

फेडरल रिजर्व की इस सप्ताह होने वाली बैठक से पहले चीन में भारी बिकवाली और एशिया के अन्य शेयर बाजारों में गिरावट आई है। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई और हांगकांग में भारी बिकवाली रही। इसका कारण चीनी इंटरनेट और अन्य कंपनियों पर डाटा सुरक्षा समेत अन्य प्रकार की कार्रवाई बताई जा रही है। सियोल और टोक्यो लाभ में रहें। यूरोप के प्रमुख बाजारों में मध्याह्न कारोबार में नुकसान का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.30 प्रतिशत मजबूत होकर 73.91 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 5 पैसे टूटकर 74.47 पर बंद हुआ। शेयर बाजार के पास उपलब्ध आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक सोमवार को पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने 2,376.79 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

पुरी सीधे नल से पीने योग्य पानी की आपूर्ति की उपलब्धि हासिल करने वाला पहला भारतीय शहर बन गया

2021 से आईएस 10500 के गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सीधे नल से पीने योग्य पानी की आपूर्ति की उपलब्धि हासिल करने वाला पहला भारतीय शहर बन गया है। ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री, श्री नवीन पटनायक के नेतृत्व में ओडिशा सरकार द्वारा 'सुजल' या 'ड्रिंक फ्रॉम टैप' मिशन की शुरुआत की गई थी।

बदलाव लाने वाली इस पहल से अब शहर के 2.5 लाख नागरिकों के साथसाथ 2 करोड़ पर्यटक लाभान्वित होंगे, जो हर साल भगवान जगन्नाथ के दर्शनों के लिए इस पवित्र शहर की यात्रा करते हैं। सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था से आगे चलकर हर साल 3 करोड़ प्लास्टिक की बोतलों के उपयोग को रोकने में मदद मिलेगी, जिससे 400 मीट्रिक टन प्लास्टिक कचरे को खत्म किया जा सकेगा, साथ ही राज्य के कार्बन फुटप्रिंट में और कमी आएगी।

ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 26 जुलाई को पुरी में 'ड्रिंक फ्रॉम टैप मिशनज्जुसुजल' का उद्घाटन किया। चौबीसों घंटे "सीधे नल से पीने योग्य पानी" की आपूर्ति प्रणाली को भगवान जगन्नाथ की महिमा तथा पुरी के नागरिकों को समर्पित करते हुए, माननीय मुख्यमंत्री ने कहा, "हर घर में 24×7 पीने की गुणवत्ता वाला पानी उपलब्ध कराना बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाली परियोजना है, और यह पुरी को विश्व स्तरीय विरासत शहर बनाने के हमारे विज़न की दिशा में उठाया गया एक कदम है। पुरी के निवासी, पर्यटक और तीर्थयात्री अब पूरे शहर में किसी भी स्थान पर नल से पानी पी सकते हैं, जिसमें घर पर मौजूद नल के साथसाथ सार्वजनिक पेयजल के लिए लगाए गए नल शामिल हैं। ओडिशा के हर घर में नल से पीने योग्य पानी पहुंचाना मेरा सपना रहा है, और अब यह सपना साकार हो रहा है।"

भारत में पहली बार अत्याधुनिक तकनीक की मदद से लोगों को सीधे नल से पीने योग्य पानी उपलब्ध कराने का सपना साकार हुआ है। पुरी में अब घरों में पानी की आपूर्ति के लिए 100% मीटर कनेक्शन लगाए गए हैं जिसके जरिए चौबीसों घंटे सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति की जाती है, और इस तरह यह लंदन, सिंगापुर एवं न्यूयॉर्क जैसे वैश्विक शहरों की सूची में शामिल हो गया है। राज्य सरकार की ओर से ग्रैंड ट्रंक रोड किनारे और पुरी के अन्य व्यस्त इलाकों में सार्वजनिक पेयजल के 120 स्रोतों की स्थापना की गई है, जो हवाई अड्डों पर सार्वजनिक इस्तेमाल के लिए लगाए जाने वाले पेयजल के स्रोतों के समान हैं और शहर।

टाटा मोटर्स ने पेश की नई सफारी की 10 हजार यूनिट्स

मुंबई।

ऑटोमोबाइल प्रमुख टाटा मोटर्स ने मंगलवार को पुणे में अपनी विनिर्माण सुविधा से नई सफारी की 10,000 वीं यूनिट्स लॉन्च की। कंपनी के मुताबिक, तमाम पाबंदियों के बावजूद फरवरी 2021 में 100वें रोलआउट के बाद नई सफारी की आखिरी 9,900 यूनिट्स को चार महीने से भी कम समय में रोल आउट कर दिया गया। ऑटोमेकर ने त्वरित उत्पादन प्रवृत्ति का समर्थन करते हुए मजबूत ग्राहक प्रतिक्रिया को जिम्मेदार ठहराया। वर्तमान में, सफारी अपनी श्रेणी में 25.2 प्रतिशत की मौजूदा बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे अधिक बिकने वाली 6 या 7-सीटर उच्च एसयूवी में से एक है। टाटा मोटर्स ने कहा कि अपने स्थिर साथी हैरियर के साथ, नई सफारी वर्तमान में हाई एसयूवी सेगमेंट में 41.2 प्रतिशत का आदेश देती है। टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल्स बिजनेस यूनिट के अध्यक्ष शैलेश चंद्र ने कहा कि हम चार महीने की अवधि में नई सफारी के लिए इस महत्वपूर्ण मील के पत्थर तक पहुंचने के लिए रोमांचित हैं। हमने अपने देश के अपने लंबे इतिहास में सबसे कठिन अवधियों में से एक के दौरान यह मील का पत्थर हासिल किया है। 10,000 वां उपलब्धि मान्य है , इस शानदार मॉडल के पुनर्जन्म के लिए जिम्मेदार विभिन्न टीमों द्वारा सामूहिक कड़ी मेहनत की गई है। सफारी अपने नए अवतार में टाटा मोटर्स इम्पैक्ट 2.0 डिजाइन भाषा को ओमेगार्क की सिद्ध क्षमता के साथ जोड़कर ब्रांड की समृद्ध विरासत को आगे ले जाती है

कोविद - 19 की तीसरी लहर आने से पहले ले टर्म प्लान इंश्योरेंस

सोशल मीडिया कोविड-19 की तीसरी लहर की खबरों से भरा हुआ है, जो अगस्त 2021 से नवंबर 2021 के बीच किसी भी समय अपेक्षित है। यह समय तैयार रहने के लिए आवश्यक चीजों को प्राथमिकता देने का है। 2020 में महामारी की पहली लहर थी और उसके मुकाबले हमने 2021 के पहली छमाही में आई दूसरी लहर में कोरोनावायरस संक्रमण के कारण जान गंवाने वाले लोगों की अधिक संख्या देखी है। पहली लहर की तुलना में घातक वायरस की वजह से दूसरी लहर में मारे गए युवाओं की संख्या भी बहुत अधिक है। बड़े पैमाने पर चल रहा टीकाकरण अभियान निश्चित तौर पर घातक वायरस को फैलने से रोकने में पूरी कोशिश करेगा, परंतु कुछ ऐसी चीजें हैं जिनका लोगों को भी सख्ती से पालन करने की आवश्यकता होगी।

सही समय पर सही कदम उठाकर व्यक्तिगत और वित्तीय दोनों मोर्चों पर रेडी और प्रोटेक्टेड रहना आवश्यक है। घर से बाहर निकलते समय सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करना और हर बार मास्क पहनना व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और यह भी सुनिश्चित करेगा कि आप और आपका परिवार किसी भी मुश्किल परिस्थितियों में सुरक्षित रहे। वित्तीय दृष्टिकोण से कोविड-19 के खिलाफ अपनी लड़ाई में सबसे महत्वपूर्ण कदम अपने आप को सही टर्म लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के साथ कवर करके अपने परिवार के वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करना है। टर्म लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी एक सस्ती प्योर प्रोटेक्शन प्लान है जो पॉलिसी अवधि के भीतर पॉलिसीधारक की मौत पर आश्रितों को पूरी बीमा राशि/कवरेज राशि का भुगतान करती है। एक 32 वर्षीय व्यक्ति 500 रुपये प्रति माह जैसी कम से कम राशि में 1 करोड़ रुपए की लाइफ कवर राशि के साथ टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान खरीद सकता है।

श्री सन्जा प्रवीण चौधरी, हेड, टर्म लाइफ इंश्योरेंस, पॉलिसीबाजार डॉट कॉम (Policybazaar.com) ने कहा, "कोविड-19 की तीसरी लहर के आने से पहले या समय रहते टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान खरीदें नहीं तो किसी भी तरह का जोखिम होने पर उस समय टर्म प्लान के जरिए कवर हासिल करना अधिक कठिन हो सकता है। अप्रैल 2021 के महीने में कोविड-19 की दूसरी लहर की शुरुआत के बाद से टर्म प्लान खरीदने की चाहत रखने वाले ग्राहकों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी, लेकिन साथ ही इसे समय पर प्राप्त करना और भी मुश्किल हो गया है। इस कठिनाई के कई कारक थे और संभवत: भविष्य में भी इस तरह की कठिनाइयां आ सकती हैं, जिनका सामना हमने अप्रैल और मई 2021 में दूसरी लहर के दौरान किया था।"

रियलमी ने रियलमी वॉच और रियलमी बड्स के नए सीरीज़ के साथ अपनी एआईओटी प्रस्तुतियों का विस्तार किया

नई दिल्ली 23 जुलाई 2021। दुनिया के सबसे तेजी से विकसित होते हुए स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने आज रियलमी वॉच 2 प्रो रियलमी वॉच 2 रियलमी बड्स वायरलेस 2 रियलमी बड्स वायरलेस 2 नियो और रियलमी बड्स क्यू 2 नियो के लॉन्च के साथ अपनी एआईओटी प्रस्तुतियों का विस्तार किया। यह उत्पाद रियलमी द्वारा हाल ही में घोषित '1 .5 .टी' स्ट्रेट्जी के तहत लॉन्च किए गए जिसका उद्देश्य यूज़र्स के लिए लेटेस्ट टेक्नॉलॉजिकल ट्रेंड्स के अनुरूप एस्पायरेशनल ट्रेंडसेटिंग लाईफस्टाईल प्रस्तुत करने की रियलमी की प्रतिबद्धता मजबूत करना है।

लॉन्च के बारे में श्री माधव शेठ वाईस प्रेसिडेंट रियलमी एवं चीफ एक्जिक्यूटिव ऑफिसर रियलमी इंडिया व यूरोप ने कहा रियलमी के लिए भारत सर्वोच्च प्राथमिकता वाला बाजार है। रियलमी वॉच 2 प्रो रियलमी वॉच 2 रियलमी बड्स वायरलेस 2 रियलमी बड्स वायरलेस 2 निया और रियलमी बड्स क्यू2 नियो के लॉन्च द्वारा हमने स्मार्ट फ्री ट्रेंडसेटिंग एवं कनेक्टेड लाईफस्टाईल वाले अपने ग्राहकों के लिए हाई परफॉर्मेंस वाले टेक लाईफस्टाईल उत्पाद प्रस्तुत करने पर अपना केंद्रण मजबूत किया है। रियलमी वॉच 2 प्रो का मूल्य 4999 रु. है और यह 26 जुलाई दोपहर 12 00 बजे से रियलमी.कॉम और अमेजन पर मिलेगी जल्द ही यह सभी मेनलाईन चैनल्स पर मिलना शुरू हो जाएगी।

◦ रियलमी वॉच 2 का मूल्य 3,499 रु. है और यह 26 जुलाई, दोपहर 12 बजे से रियलमी.कॉम और फ्लिपकार्ट पर मिलेगी, जल्द ही यह सभी मेनलाईन चैनल्स पर मिलना शुरू हो जाएगी। फ्लिपकार्ट पर इंट्रोडक्टरी ऑफर फर्स्ट सेल में ग्राहकों को 500 रु. की अतिरिक्त छूट मिलेगी, जिससे रियलमी वॉच 2 का प्रभावी मूल्य 2,999 रु. हो जाएगा।

◦ रियलमी बड्स वायरलेस 2 का मूल्य 2299 रु. है और यह 26 जुलाई दोपहर 12 बजे से रियलमी.कॉम और फ्लिपकार्ट पर मिलेगा जल्द ही यह सभी मेनलाईन चैनल्स पर मिलना शुरू हो जाएगा। फ्लिपकार्ट पर इंट्रोडक्टरी ऑफर फर्स्ट सेल में ग्राहकों को 300 रु. की अतिरिक्त छूट मिलेगी जिससे रियलमी बड्स वायरलेस 2 का प्रभावी मूल्य 1999 रु. हो जाएगा।

टोक्यो ओलंपिक : भारतीय मुक्केबाज लवलीना क्वार्टर फाइनल में पहुंची

टोक्यो । भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन टोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। लवलीना ने प्री क्वार्टर फाइनल में जर्मनी की नेदिन एपेट्ज को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। लवलीना ने एपेट्ज को 3-2 से हराया। यह दोनों ही खिलाड़ी ओलंपिक में पदार्पण कर रहीं थीं। लवलीना भारत की नौ सदस्यीय टीम से अंतिम आठ में जगह बनाने वाली पहली खिलाड़ी हैं। लवलीना ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में शानदार खेल दिखाते हुए करीबी अंतर से जीत हासिल की। लवलीना तीनों दौर में खंडित फैसले से जीतीं। वहीं जर्मनी की पहली महिला मुक्केबाज एपेट्ज दो बार विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता और पूर्व यूरोपीय चैंपियन रही हैं। लवलीना विश्व चैंपियनशिप में दो और एशियाई चैंपियनशिप में एक बार की कांस्य पदक विजेता रही हैं। लवलीना ने शुरुआती दौर में आक्रामक खेल दिखाया पर इसके बाद रुक कर हमले किये। इस रणनीति से उन्हें लाभ हुआ हालांकि जर्मनी की मुक्केबाज ने कई बार लवलीना को परेशान भी किया। दूसरी ओर लवलीना ने बायें हाथ से लगाए ताकतवर पंच से अपनी दावेदारी बनाये रखी।

भारतीय हॉकी टीम की दूसरी जीत, स्पेन को 3-0 से हराया

स्पोर्ट्स डेस्क ।

ड्रैगफ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह के दो गोल की बदौलत भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले मैच में करारी शिकस्त से उबरकर जोरदार वापसी करते हुए तोक्यो ओलंपिक की पुरुष हॉकी स्पर्धा के पूल ए में मंगलवार को यहां अपने तीसरे मैच में स्पेन को 3-0 से हराया। दुनिया की नौवें नंबर की टीम स्पेन के खिलाफ भारत की ओर से रूपिंदर (15वें और 51वें मिनट) ने दो जबकि सिमरनजीत सिंह (14वें मिनट) ने एक गोल दागा। दुनिया की चौथे नंबर की टीम भारत ने अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 3-2 से हराकर विजयी शुरुआत की थी लेकिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में उसे 1-7 की करारी हार का सामना करना पड़ा था। स्पेन की टीम अब तक टूर्नामेंट में जीत दर्ज करने में नाकाम रही है। टीम ने अपने पहले मैच में अर्जेन्टीना से 1-1 से ड्रॉ खेला था जब दूसरे मैच में उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। भारत अपने अगले मैच में गुरुवार को गत ओलंपिक चैंपियन अर्जेन्टीना से भिड़ेगा। किसी भी टीम के लिए मनोबल तोड़ने वाली हार से एक दिन के भीतर उबरना बेहद मुश्किल होता है लेकिन भारत स्पेन के खिलाफ मंगलवार को भारतीय टीम अधिक संगठित दिखी। मनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम ने शुरुआत से ही विरोधी टीम पर दबाव बनाया और शुरुआती 10 मिनट में गेंद को अधिक समय तक अपने कब्जे में रखने में सफल रही। टीम हालांकि गोल करने का कोई वास्तविक मौका नहीं बना पाई। नौवें मिनट में भारत को बढ़त बनाने का मौका मिला लेकिन मनप्रीत के पास को सिमरनजीत गोल के अंदर डालने में विफल रहे। स्पेन की टीम धीरे-धीरे लय में लौटी और टीम ने 12वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया जो बर्बाद गया। पहले क्वार्टर के अंतिम लम्हों में भारत ने हमले तेज किए। टीम को इसका फायदा भी मिला जबकि स्पेन के रक्षण की कमजोरी का फायदा उठाकर अमित रोहिदास के पास पर सिमरनजीत ने गोलकीपर क्रिको कोर्टेस को छकाकर गोल दाग दिया। भारत को अंतिम मिनट में लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले। तीसरे पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत के शॉट पर गेंद स्पेन के डिफेंडर से टकराई और भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे रूपिंदर ने गोल में बदलकर टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। दो गोल से पिछड़ने के बाद स्पेन ने दूसरे क्वार्टर में भारतीय रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया और अधिकांश समय खेल भारतीय हाफ में खेला गया। स्पेन को दबाव की रणनीति का फायदा तीसरे क्वार्टर में तीन पेनल्टी कॉर्नर के रूप में मिला लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने विरोधी टीम के सभी हमलों को नाकाम कर दिया।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ पूरी तरह से नाकाम रहे अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश स्पेन के खिलाफ गजब की लय में दिखे और उन्होंने विरोधी टीम के कई हमलों को विफल किया। दो गोल की बढ़त के बाद भारतीय टीम चौथे और अंतिम क्वार्टर में रक्षात्मक खेल दिखाकर संतुष्ट थी। स्पेन ने इस बीच दबाव डालना जारी रखा। भारत को 51वें मिनट में मैच का चौथा पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे रूपिंदर ने गोल में बदलकर भारत को 3-0 से आगे कर दिया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। स्पेन ने इसके बाद हमले तेज किए। टीम को 53वें मिनट में लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन ड्रैगफ्लिकर पाउ क्युमादा श्रीजेश की अगुआई वाली भारतीय रक्षा पंक्ति को भेदने में नाकाम रहे। स्पेन को अंतिम मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन इस बार भी श्रीजेश ने क्युमादा के प्रयास को नाकाम कर दिया।

ओलंपिक : चीनी जोड़ी ने जीता एयर राइफल मिक्सड स्वर्ण

टोक्यो।

चीनी जोड़ी यांग कियान और यांग हाओरान ने अमेरिकी जोड़ी मैरी कारोलिन टकर और लुकस कोजेनिएस्की को 17-13 से पछाड़कर 10 मीटर एयर राइफल मिक्सड टीम का स्वर्ण पदक जीता। इस इवेंट में दो शीर्ष भारतीय जोड़ीदार क्वालीफिकेशन राउंड में ही बाहर हो गए। ओलंपिक डेब्यूटेंट यांग कियान का यह दूसरा स्वर्ण पदक है जिन्होंने महिला व्यक्तिगत इवेंट में टोक्यो 2020 का पहला स्वर्ण पदक जीता था।इससे पहले, यूलिया कारीमोवा और सरगे कामेंस्की ने रूस ओलंपिक समिति (आरओसी) को दक्षिण कोरिया पर 17-9 से जीत दिलाकर कांस्य पदक दिलाया। भारतीय जोड़ीदार 10 मीटर एयर राइफल मिक्सड टीम इवेंट में पहले राउंड से आगे नहीं जा सके। एलावेनिल वलारीवान और दिव्यांश सिंह पंवार ने संयुक्त रूप से 626.5 का शॉट लगाया और वे 12वें स्थान पर रहे जबकि दीपक कुमार और अंजुम मुद्दिल 623.8 के शॉट के साथ 18वें स्थान पर रहे।

हिडिलिन डियाज ने फिलीपींस को पहला ओलिम्पिक स्वर्ण दिलाया

टोक्यो = हिडिलिन डियाज ने सोमवार को टोक्यो ओलंपिक में महिला भारोत्तोलन 55 किग्रा वर्ग में जीत के साथ फिलीपींस के लिए पहला ओलिम्पिक स्वर्ण पदक जीत कर इतिहास रच दिया। फिलीपींस ने इससे पहले ओलिम्पिक में तीन रजत और सात कांस्य पदक जीते हैं। देश का स्वर्ण पदक सूखा चार बार की ओलम्पियन डियाज ने समाप्त किया। उन्होंने स्नैच में 97 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 127 किग्रा को मिलाकर कुल मिलाकर 224 किग्रा भार उठाया। चीन की लियाओ कियुयुन ने कुल 223 किग्रा उठाया और रजत पदक अपने नाम किया, जबकि कजाकिस्तान की जुल्फिया चिनशानलो ने 213 किग्रा के साथ कांस्य पदक जीता। फाइनल राऊंड में डियाज और लियाओ आमने-सामने आईं। क्लीन एंड जर्क और कुल भार उठाने में वर्तमान विश्व रिकॉर्ड धारक लियाओ ने तीसरे प्रयास में 126 किग्रा के साथ कामयाबी हासिल की, लेकिन डियाज ने अंतिम लिफ्ट में 127 किग्रा भार उठा कर स्वर्ण जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे एकदिवसीय में वेस्टइंडीज को हराकर 2-1 से श्रृंखला जीती

जमैका ।

बल्लेबाज मैथ्यू वेड के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मेजबान वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीत ली है। तीसरे और निर्णायक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज की टीम 45.1 ओवर में 152 रन पर आउट हो गयी थी।

इसके बाद जीत के लिए मिले 153 रनों के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वेड के अर्धशतक 51 रनों की सहायता से 31वें ओवर में ही केवल चार विकेट पर 153 रन बनाकर हासिल कर लिया। कंगारु टीम की कप्तानी कर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज अलेक्स कैरी ने 35 और मिशेल मार्श ने 29 रन बनाये। इससे पहले इंडीज कप्तान कीरोन पोलार्ड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया पर हुए मिशेल स्टार्क के सामने मेजबान टीम के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। सलामी बल्लेबाज इविन लुईस ने 55 रन बनाये पर किसी अन्य बल्लेबाज का साथ उन्हें नहीं मिला। स्टार्क ने 43 रन देकर तीन विकेट लिए। इसके अलावा एस्टन एगर और एडम जंपा ने दो-दो खिलाड़ियों को आउट किया।

संक्षिप्त समाचार

13 वर्षीय बच्चियों ने टोक्यो ओलंपिक में जीता स्वर्ण और रजत पदक

टोक्यो । स्केटबोर्डिंग में हैरतगेज करतब दिखाकर 13 साल की दो बच्चियों ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और रजत पदक जीत लिए जबकि कांस्य पदक जीतने वाली भी 16 वर्ष की प्रतियोगी थी। आम तौर पर जिस उम्र में बच्चे खिलौनो या वीडियो गेम से खेलते हैं, इन लड़कियों ने कड़ी मेहनत और लगन से तमाम चुनौतियों का सामना करके पुरूषों के इस खेल पर दबदबे को तोड़ा। जापान की मोमिजी निशिया ने पहला ओलंपिक खेलते हुए पीला तमगा अपने नाम किया। अब तक पुरूषों के दबदबे वाले इस खेल में लड़कियों के इस यादगार प्रदर्शन ने खेल का भविष्य उज्जवल कर दिया है। रजत पदक ब्राजील की रेसा लील को मिला जो 13 वर्ष की ही हैं। वहीं कांस्य पदक जापान की फुना नाकायामा को मिला। बीस प्रतियोगियों के महिला वर्ग में ब्राजील की लेतिसिया बुफोनी भी थी जिनके पिता ने उन्हें खेल से रोकने के लिए उनका स्केटबोर्ड दो हिस्सों में तोड़ दिया था। कनाडा की एनी गुगलिया जब स्केटिंग सीख रही थी तो पहले दो साल कोई और लड़की उनके साथ नहीं थी।

लॉकडाउन के बाद अभ्यास शुरु करना आसान नहीं रहा : चानू

नई दिल्ली। भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने टोक्यो ओलंपिक खेलों से स्वदेश वापसी के बाद कहा कि लॉकडाउन के बाद जब मैंने अभ्यास शुरू किया तो मुझे अपनी पीठ काफी सख्त लगी और मुझे दायें कंधे को लेकर कुछ परेशानी थी। यह चोट नहीं थी पर जब मैं भारी वजन उठाती तो यह काफी सख्त लगता था। उन्होंने कहा, ''ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मैंने लॉकडाउन के दौरान अभ्यास बंद कर दिया था। '' पिछले साल कोविड-19 महामारी रोकने के लिये जब लॉकडाउन घोषित किया गया तब चानू पटियाला में राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) में थी। वह अपने कमरे तक ही सीमित रही और उन्होंने महीनों बाद अभ्यास शुरू किया था। इस दौरान उनके कंधे को लेकर परेशानी होने लगी। इससे भारोत्तोलन की दो स्पर्धाओं में से एक स्नैच में उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ था। इस परेशानी के इलाज के लिये वह पिछले साल अमेरिका भी गयीं थीं। पूर्व भारोत्तोलक और अनुकूलन कोच डा. आरोन होर्सचिग के साथ काम करने का उन्हें तुरंत ही फायदा मिला और वह अप्रैल में एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने में सफल रही। क्लीन एवं जर्क में उन्होंने रिकार्ड 119 किग्रा भार उठाया था। चानू ने कहा, ''यही वजह थी कि हमने अमेरिका जाने की योजना बनायी। इससे मुझे काफी मदद मिली और मैं एशियाई चैंपियनशिप में विश्व रिकार्ड बनाने में सफल रही।''

मेरे लिए धैर्य रखकर अपनी बारी का इंतजार करना जरूरी : केएल राहुल

डरहम ।

प्रतिभाशाली बल्लेबाज लोकेश राहुल का मानना है कि उन्होंने कभी भी असफलताओं को खुद पर हावी नहीं होने दिया, बल्कि वह उनसे और मजबूत होकर उभरे और अब धैर्यपूर्वक भारत के लिए फिर से टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका मिलने का इंतजार कर रहे हैं। राहुल ने अपना आखिरी टेस्ट 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। राहुल ने कहा कि उन्होंने इस समय का इस्तेमाल अपने खेल पर ध्यान देने के लिए किया है। अभ्यास मैच में यहां शतकीय पारी खेलने वाले राहुल ने 'बीसीसीआई डॉट टीवी% से कहा, 'जब मुझे टीम से बाहर किया गया तो मैं कोचों के पास वापस गया और उन से चर्चा करके बहुत सारे वीडियो देखें। मेरे प्रदर्शन में जहां कमी थी, मैंने उसे ठीक करने का प्रयास किया।' उन्होंने कहा, 'जैसा कि मैंने कहा कि असफलताएं आपको मजबूत बनाती हैं। इससे आपको ध्यान देने का मौका मिलता है। यह मेरे लिए अलग नहीं है, इसलिए मैं वास्तव में मौकों की प्रतीक्षा कर रहा हूं और शांत तथा अनुशासित रहने की कोशिश कर रहा हूं। उन्होंने कहा, 'मैंने गलतियां की हैं और मैंने उनसे सीखा है। मैं उससे मजबूत हुआ और फिर मुझे अच्छा मौका मिला। उम्मीद है कि मैं मैदान पर उतर कर टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करूंगा।' इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का हिस्सा राहुल ने काउंटी एकादश के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच में न केवल शतक बनाया, बल्कि विकेटकीपर की भूमिका भी निभाई। उन्होंने कहा, 'सफेद जर्सी (टेस्ट मैच) में रन बनाना हमेशा अच्छा रहता है। मैंने काफी समय से टेस्ट मैच नहीं खेला था। ऐसे में यहां कुछ रन बनाना अच्छा रहा।' इस मैच में 101 रन बनाने वाले राहुल ने कहा, 'मेरे लिए धैर्य रखना और अपनी बारी का इंतजार करना महत्वपूर्ण है। मैं अपने खेल पर काम कर रहा हूं, इसलिए मैदान पर समय बिताना और कुछ रन बनाना अच्छा है।' उन्होंने कहा, 'यह (अभ्यास मैच) मेरे लिए खुद को और विकेटकीपिंग कौशल को परखने का अच्छा मौका था। मैंने हमेशा विकेटकीपिंग का लुत्फ उठाया है।'

जापानी स्टार ओसाका ओलम्पिक टेनिस मुकाबलों से बाहर

टोक्यो ।

जापान की टेनिस स्टार नाओमी ओसाका मंगलवार को तीसरे राउंड में हारकर टोक्यो ओलम्पिक से बाहर हो गई। विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी ओसाका को चेक गणराज्य की मार्केटा वोन्द्रूसोवा ने 6-1, 6-4 से शिकस्त दी। ओसाका का वोन्द्रूसोवा से इससे पहले कभी मुकाबला नहीं हुआ था। हार के बाद ओसाका ने स्वीकार किया कि इस मुकाबले के लिए उन पर काफी दबाव था। ओसाका ने गत 23 जुलाई को उद्घाटन समारोह में ओलम्पिक ज्योति को प्रज्वलित किया था। ओसाका का यह पहला ओलम्पिक था और उन पर पहली बार ओलम्पिक में खेलने का दबाव साफ़ नजर आया। ओसाका ने पहले और तीसरे गेम में अपनी सर्विस गंवाई और 0-4 से पिछड़ गयीं। इसके बाद जाकर ओसाका ने इस सेट का अपना पहला गेम जीता लेकिन चेक खिलाड़ी ने जापानी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर पहला सेट 6-1 से अपने नाम कर लिया। ओसाका ने पहला सेट गंवाने के झटके की शुरुआत से उबरते हुए दूसरे सेट में वोन्द्रूसोवा की सर्विस तोड़ दी लेकिन 42 वीं रैंकिंग की चेक खिलाड़ी ने वापसी करते हुए दूसरे सेट के 10 वें गेम में सर्विस ब्रेक हासिल किया और मैच समाप्त कर दिया। वोन्द्रूसोवा ने जीत के बाद इसे अपने करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक बताया।

टोक्यो ओलंपिक : जीत के बाद भी बाहर हुए सात्विकसाईराज और चिराग

टोक्यो । भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेडी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने मंगलवार को यहां टोक्यो ओलंपिक के बैडमिंटन पुरुष युगल ग्रुप ए के अपने तीसरे मैच में ब्रिटेन के बेन लेन और सीन वेंडी की जोड़ी को सीधे गेम में हराया पर इसके बाद भी ये नॉकआउट में जगह नहीं बना पाये। सात्विक और चिराग ने लेन और वेंडी की विश्व की 18वें नंबर की जोड़ी को 44 मिनट चले मुकाबले में 21-17, 21-19 से हराया। वहीं एक अन्य मुकाबले में चीनी ताइपे की यैंग ली और ची लिन वैंग की जोड़ी ने इंडोनेशिया के मार्कस फर्नाल्डी गिडियोन और केविन संजय सुकामुल्जो की जोड़ी को 21-18, 15-21, 21-17 से हराया। इससे सात्विक और चिराग टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। भारत के अलावा इंडोनेशिया और चीनी ताइपे तीनों ही जोड़ियों ने दो-दो जीत दर्ज की थी पर चीनी ताइपे और इंडोनेशियाई जोड़ियां ग्रुप चरण में गेम जीतने और हारने के बीच बेहतर अंतर के कारण शीर्ष दो स्थान पर रहते हुए नॉकआउट में पहुंच गयीं। इंडोनेशिया की जोड़ी का गेम अंतर प्लस तीन, चीनी ताइपे का प्लस दो और भारत का प्लस एक रहा।

जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप : लड़कों के इवेंट में एसएससीबी मुक्केबाजों का दबदबा

नई दिल्ली।

युवा नेशनल्स में शानदार प्रदर्शन के बाद सर्विसेस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) ने तीसरी जूनियर बॉयज नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भी अपना वर्चस्व जारी रखा है । आठ मुक्केबाजों ने सोनीपत के दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में जारी इवेंट के शुरूआती दिन जीत दर्ज की है। हर्ष ने एसएससीबी के लिए काफी शानदार तरीके से दिन की शुरू की। हर्ष ने स्टील प्लांट स्पोर्ट्स बोर्ड (एसपीएसबी) के नीरज साह को 46 किग्रा भार वर्ग के शुरूआती दौर के मैच में एकतरफा निर्णय से पछाड़ दिया। बाद में 54 किग्रा में, आशीष ने गुजरात के अतुल साहनी को भी हराया। रेफरी ने मैच के पहले दौर में आरएससी के आधार पर आशीष को विजेता घोषित किया । इसी तरह राजन (50 किग्रा), हेंथोई (60 किग्रा), अंकुश पंघाल (66 किग्रा), जैक्सन सिंह लैशराम (70 किग्रा), नक्श बेनीवाल (75 किग्रा) और रिदम सांगवान (प्लस 80 किग्रा) अन्य मुक्केबाज थे जिन्होंने सोमवार को अपने-अपने शुरूआती दौर के मैचों में जीत दर्ज की और एसएससीबी के लिए दिन में खेले गए सभी मैचों में जीत सुनिश्चित की। पिछले हफ्ते की शुरूआत में, एसएससीबी चौथी युवा पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 10 पदक (7 स्वर्ण और 3 रजत) के साथ लड़कों के वर्ग में ओवरआल चैंपियन बनकर उभरा था। चंडीगढ़ के चार मुक्केबाज अपने-अपने वर्ग में अगले दौर में पहुंच गए हैं। 46 किग्रा में, कृष पाल ने हरियाणा के आलोक मोर को विभाजित निर्णय के आधार पर 3-2 से हराया, जबकि सुशांत कपूर (50 किग्रा) ने भी मध्य प्रदेश के किशन ददोरिया पर जीत के साथ टूर्नामेंट में विजयी शुरूआत की। इसी तरह परमप्रीत सिंह (70 किग्रा) और भव्य सैनी (75 किग्रा) ने भी पहले दौर की जीत के साथ अगले चरण में प्रवेश किया। जूनियर गर्ल्स नेशनल चैंपियनशिप का चौथा संस्करण भी सोमवार को शुरू हो गया है। टूर्नामेंट के पहले दिन 28 मैच खेले गए, जिसमें हरियाणा, महाराष्ट्र, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, तमिलनाडु, असम, मिजोरम, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों सहित देश भर के 201 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। लड़कों के आयोजन में 298 मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं। पहले दिन कुल 65 मुकाबले खेले गए। हरियाणा की तीन मुक्केबाजों ने पहले दिन जीत के साथ दूसरे दौर में प्रवेश किया। मुस्कान (46 किग्रा) और कीर्ति (प्लस 80 किग्रा) ने क्रमशः दिल्ली की स्वाति यादव और हिमाचल प्रदेश की कंगना सैनी को पहले दौर में आरएससी से हराया, जबकि कनिष्क मान (60 किग्रा) ने पंजाब की संदीप कौर पर 5-0 के अंतर से एकतरफा जीत दर्ज की।

ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ महिला हॉकी टीम बेहतर खेलेगी: मरिने

टोक्यो। भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच शुअर्ड मारिने ने मंगलवार को कहा कि जर्मनी के खिलाफ मैच के बाद उन्हें टीम में सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं और टोक्यो ओलंपिक में बुधवार को ग्रेट ब्रिटेन के साथ होने वाले मैच में और बेहतर प्रदर्शन करेगी। सोमवार को जर्मनी के साथ हुए मैच में भारतीय टीम को 2-0 से हार का सामना करना पड़ा था, वहीं पहले मैच में भी टीम को नीदरलैंड के खिलाफ 5-1 से शिकस्त झेलनी पड़ी। अब दो लगातार हार के बाद रानी रामपाल की अगुआई में भारतीय टीम को तीसरे पूल ए में ओलंपिक के गत चैंपियन ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ खेलना है। ब्रिटेन की टीम ने अपने पिछले मैच में साउथ अफ्रिका के विरुद्ध 4-1 से जीत दर्ज की थी। मारिने ने कहा ,हम अपने पिछले मैच की तुलना में कल बेहतर खेले। प्रत्येक मैच के साथ खेल में सुधार होना चाहिए, और इसी हम पर ध्यान दे रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि हम पेनल्टी स्ट्रोक चूक गए जहां हमारा स्कोर 1-0 हो सकता था। लेकिन मैं खुश हूं कि हमारे पास वह स्ट्रोक था। हमारे पास स्कोर करने के कई अवसर थे, जो एक सकारात्मक संकेत है। हम पूरे जोश के साथ खेले और जर्मनी पर दबाव बनाने में कामयाब रहे। अब हम अगले मैच के लिए रिकवरी और सुधार करने पर ध्यान दे रहे हैं। भारतीय टीम की कप्तान रानी ने कहा कि जर्मनी के खिलाफ भारत ने अपने पहले पूल मैच की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है, लेकिन अगले मैच के लिए और सुधार करने की आवश्यकता है।

धंधा ठप हो जाने पर नकली शराब बनाने की फैक्ट्री शुरू की

सूरत ।

गांधी के गुजरात में शराबबंदी होने पर भी यहां मांगे उतना शराब मिल रहा है । सूरत में कोरोना को लेकर जमीन दलाली का काम नहीं चलने पर एक युवक ने उमरा में अपने घर पर नकली शराब बनाने की फैक्ट्री शुरू कर दी । युवक शराब को बेचते होने की जानकारी मिलने पर पुलिस ने छापेमारी करके नकली शराब बनाने की फैक्ट्री का पर्दाफाश किया गया था। पुलिस ने केमिकल के साथ युवक को गिरफ्तार करके इसके विरूद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है । पुलिस को छापेमारी के दौरान नकली शराब बनाने के लिए इस्तेमाल होती वस्तुएं तथा विभिन्न कंपनी की खाली बोतल मिली है । गुजरात में शराबबंदी होने पर भी यहां शराब खुलेआम बिकते होने की शिकायतें लगातार पुलिस चोपडे में दर्ज होती रही है । ऐसे लोगों को गिरफ्तार करके पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करती है । कोरोना में जमीन दलाली का काम नहीं मिलने पर एक युवक ने शराब की मांग रहती होने से विदेशी शराब बनाने का शुरू किया । ऐसे विचार के साथ इसने पिछले कई समय से केमिकल से विदेशी शराब अपने घर पर ही बनाकर बेचते की शुरूआत की थी । इस मामले में पुलिस को जानकारी मिलने पर पुलिस ने गत दिन उमरा गांव के मीतल के मकान में छापेमारी की गई थी ।

छापेमारी के दौरान पुलिस को वहां से एक युवक मिल गया । जिसने अपना नाम कल्पेश उर्फ लालो रामचन्द्र सामरीया होने का बताया । पुलिस को घटनास्थल से अंग्रेजी शराब की अलग-अलग कंपनी की खाली बोतल, बूच तथा अन्य केमिकल जब्त किया । पुलिस ने युवक की पूछताछ करने पर केमिकल का उपयोग करके नकली परप्रांतीय शराब बनाकर बेचते होने की कबूलात की थी । पुलिस ने यह युवक के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है । आरोपी कितने समय से यह व्यापार कर रहा था और इसके साथ इस व्यापार में कौन-कौन शामिल है इस मामले में सूरत की उमरा पुलिस ने जांच शुरू कर दी है ।

बेटे की जमीन खुद पिता और भतीजी ने हड़प ली

सूरत ।

सूरत में प्रतिदिन जमीन की कीमत बढ़ रही है । अब जमीन हड़पने की कई घटना सामने आई है । एनआरआई व्यक्ति की संपत्तियों और असली दस्तावेज हड़पकर हाथ पैर तोड़ देने की धमकी देने के मामले में सभी लेउवा पाटीदार समाज के पूर्व प्रमुख और इसकी भतीजी के खिलाफ उमरा पुलिस में शिकायत दर्ज कराने पर बेटे की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार किया है । इस केस में शिकायतकर्ता के पिता को गिरफ्तार किया गया है ।

जबकि भतीजी पुलिस पकड़ से दूर है । सूरत में स्थित सोने जैसी जमीनों की कीमत काफी बढ़ रही है । ऐसी जमीनों को हड़पने की शिकायतें सूरत पुलिस में लगातार दर्ज हो रही है । सूरत में एक युवक ने अपनी जमीन और असली दस्तावेज ज ब्त करके धोखाधड़ी करने की शिकायत अन्य कोई नहीं भी अपने पिता और भतीजी के विरूद्ध शिकायत दर्ज होने पर सनसनी मच गई है । सूरत के रांदेर उगत रोड पर देव आशीष सोसाइटी में रहते और अमेरिका स्थायी हुए ५३ वर्षीय नैनेष ठाकोर पटेल की हिस्से की बीमा पॉलिसी, नकद रकम, असली पासपोर्ट, बैंक अकाउंट की चेकबुक, पासबुक सहित के असली दस्तावेजों पिता ठाकोर पटेल ने गलत करने की दानत के साथ अपने कब्जे में लिया था । एनआरआई बेटे ने पिता से असली दस्तावेजों की मांग की तो जान से मार देने की धमकी दी थी । इतना ही नहीं पिता ठाकोर पटेल की सुलतानाबाद में एसएनएस मरीन में नौवीं मंजिल पर फ्लैट, अठवालाइन्स नये कोर्ट के सामने हिरल आर्केड की दुकान और अठवालाइन्स की दिव्यकांत बिल्डिंग की दुकान भतीजी पूजा ने अपने नाम पर करा ली है । जिसे लेकर अमेरिका के एनआरआई बेटे ने सूरत के उमरा पुलिस स्टेशन में पिता और भतीजी के विरूद्ध शिकायत दर्ज कराई थी ।

राज्य में मंदिरों की दानपेटी भक्तों के प्रेमभाव से भर गई

अहमदाबाद ।

राज्य में कोरोना की दूसरी लहर कम होने पर लोग भगवान के शरण में जा रहे है। यह घातक दूसरी लहर में खुद बच जाने का आभार मानते लोग अपनी-अपनी श्रद्धा के अनुसार दान धर्म कर रहे है । गुजरात के प्रमुख यात्राधामों की दानपेटी भक्तों द्वारा दिए जाते दान से भर गई है । राज्य में कोरोना केस कम होने पर लॉकडाउन और कर्फ्यू के नियमों में छूट दी गई है । जिसकी वजह से कोरोना महामारी में जिन मंदिरों में आय बहुत ही कम हुई थी वहां अब फिर से एक बार भक्तों की भीड़ देखने को मिल रही है । सोमनाथ ज्योतिर्लिंग हो या द्वारकाधीश का मंदिर तथा अंबाजी का मंदिर हो या डाकोर में स्थित रणछोडराय का मंदिर प्रत्येक जगह पर दान धर्मादा की आय फिर एक बार कोरोना आया इसके पहले के स्तर पर पहुंच गई है । आश्चर्य की बात है कि अंबाजी मंदिर में तो पिछले दो महीने में भक्तों की भीड़ बढ़ गई है दान की आय कोरोना आया इसके पहले के स्तर को पार कर गई है । श्री आरासुरी अंबाजी माता देवस्थान ट्रस्ट के अकाउंट ऑफिसर शिवजी प्रजापति ने बताया कि हाल के समय में औसत साप्ताहिक दान की आय ४० लाख रुपये पर पहुंच गई है जो कोरोना पहले ३० लाख रुपये के करीब थी। उन्होंने आगे बताया कि, मासिक औसत आय भी २ करोड़ को पार कर रही है जो कोरोना पहले डेढ़ करोड़ रुपये के करीब रहती थी। यह दान की आय में ऑनलाइन दान की आय भी शामिल है तो मंदिर में भक्तों की संख्या भी कोरोना आया इसके पहले के स्तर पर पहुंच गई है । ट्रस्ट के एडमिनिस्ट्रेटर एस जे चावडा ने बताया है कि मंदिर में दैनिक फूटफोल १२ हजार के करीब पहुंच गया है । इसमें भी वीकेन्ड में यह संख्या ३०-३५ हजार के करीब होता है। हालांकि राज्य के चार सुप्रसिद्ध मंदिरों में भक्तों की तरफ से मिली दान में गत वर्ष की तुलना में २०२०-२१ के दौरान औसत ३७ फीसदी कमी देखने को मिली थी ।

गुजरात कोर्ट ने पिता-बेटी के बीच की बातचीत बंद कराई

अहमदाबाद ।

गुजरात हाईकोर्ट ने १३ वर्ष की बेटी और कनाडा में रहते इसके पिता के बीच की बातचीत बंद कराने का आदेश दिया है । उल्लेखनीय है कि मनोविज्ञानी ने कोर्ट को बताया कि पिता और बेटी के बीच की बातचीत की वजह से बच्चे के दिमाग पर नकारात्मक असर होता है । यह रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट ने बातचीत बंद कराने का आदेश दिया है । कोर्ट ने कनाडा में रहते पिता को आदेश दिया था कि वह बेटी से संपर्क करने का प्रयास नहीं करे । इसके अलावा जस्टिस विनीत कोठारी और ज स्टिस बीएन. कारिया की पीठ ने बताया कि, बेटी की उम्र १८ वर्ष हो जाएगी बाद में वह खुद निर्णय ले सकती है इसने पिता का संपर्क करना है कि नहीं और पिता से रिश्ता रखना है कि नहीं । वकील अभिष्ट ठाकर के बताये अनुसार यह कपल परस्पर सहमति के साथ २०१५ में अलग हो गये थे और मां को बेटी की कस्टडी मिली थी । बेटी को मिलने का अधिकार पिता को भी दिया गया था । उल्लेखनीय है कि पिता को बेटी के साथ बात करने की और वेकेशन के दौरान इसे कनाडा ले जाने की मंजूरी दी गई थी । तलाक के बाद महिला ने एक व्यापारी के साथ शादी की और उत्तर गुज रात में स्थायी हो गई । बेटी भी दूसरे पिता के परिवार के साथ रहती है । महिला के दूसरे पति पहले शादी से दो बच्चे है यह भी यह परिवार के साथ रहते है । उल्लेखनीय है कि तलाक के कुछ वर्षों तक पिता ने बेटी का संपर्क नहीं किया । इसके बाद उन्होंने

बेटी को मिलने का प्रयास किया और अपने मुलाकात के अधिकार का उपयोग करने की इच्छा रखकर लेकिन फैमिली कोर्ट ने उनकी अर्जी को खारिज कर दिया । बच्ची की मां ने कोर्ट में अर्जी की थी कि अपने पिता के साथ बात करने के बाद बेटी मानसिक रूप से परेशान हो जाती है । इसी वजह से पिता की बेटी को कनाडा ले जाने की अर्जी को खारिज की गई थी ।

वस्त्राल में टूटे हुए रोड की वजह से कई अस्पताल इकट्ठा हुए

मानसून के दौरान सामान्य बारिश हो वैसे ही रास्ते धुल जाते है तथा रास्ते पर गड्ढे हो जाते है

अहमदाबाद ।

अहमदाबाद को स्मार्ट शहर कहना कि नहीं यह सवाल है । हर वर्ष मानसून आता है और अहमदाबादी परेशान होते है । मानसून के दौरान सामान्य बारिश हो वैसे ही रास्ते धुल जाते है तथा रास्ते पर गड्ढे हो जाते है । जिसकी वजह से रास्ते पर गड्ढे देखने को मिलते है । अब सवाल होता है कि आखिर में किसकी भूल से अहमदाबादी परेशान है अहमदाबाद के वस्त्राल में रहती गोपीबहन शुक्रवार को सुबह के लिए दूध लेने के लिए घर से निकली तब उनको खबर नहीं थी कि यह रोड उनके लिए बीमारी का पलंग लायेगा । गोपीबहन इस रास्ते पर फंस गई आगामी समय में उनको कमर के मनका का ऑपरेशन कराना पड़ेगा । अहमदाबाद के वस्त्राल में चोटिला रोड की वजह से गोपीबहन जैसे कई लोग यह रोड में गिर गये है, कई लोगों के पैर में चोटें आई है । पिछले तीन वर्ष में वस्त्राल क्षेत्र बहुत ही विकसित हुआ है लेकिन प्राथमिक सुविधाओं के नाम पर अभी भी यह क्षेत्र के स्थानीय लोगों को कुछ नहीं मिला है । इसी वजह से सामान्य बारिश में भी शहरीजनों को जगह-जगह गड्ढे, कीचड़, टूटे हुए रोड पर घर से ऑफिस और अन्य काम करने के लिए जाना पड़ रहा है । चलते भी कहीं बाहर निकल सके ऐसे नहीं है । इस मामले में स्थानीय लोगों द्वारा कई बार एएमसी के पदाधिकारियों को इस बारे में बताया गया है, लेकिन पत्थर पर पानी हो इस तरह पूर्व क्षेत्र में विकास नहीं हो रहा है । एएमसी के पदाधिकारियों को जैसे पूर्व अहमदाबाद में विकास के कार्य करने में तकलीफ हो इस तरह स्थानीय लोगों की शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जाता है ।

इस मामले में यह क्षेत्र के सिक्योरिटी विजयभाई ने भी बताया कि पिछले चार महीने से रोड खोदा गया है लेकिन कोई यह रोड पर ध्यान नहीं देता है । वस्त्राल के ओम सर्कल के पास किया जा रहे कामकाज की वजह से इस क्षेत्र में वाहन लेकर जाने में मुश्किल हो रही है । अब वाहन तो क्या स्थानीय लोग

ग्रीनमैन विरल देसाई द्वारा अयोध्या मंदिर के सम्मान में तैयार किया जाएगा भव्य रामवन

सूरत।

द हार्ट्स एट वर्क फाउंडेशन ऑफ सूरत ने सरदार वल्लभभाई पटेल स्मृति ट्रस्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जो आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए, पर्यावरण कार्यों के लिए, ग्रीनमेन विरल देसाई के अगुवाई में हार्ट्स एट वर्क फाउंडेशन सचिन टेम्पल में काम कर रहा है। अयोध्या का राम मंदिर चामवनज नामक एक शानदार शहरी जंगल का निर्माण करेगा और इस तरह मंदिर निर्माण की ऐतिहासिक घटना के लिए अपनी भावना को समर्पित करेगा।

इस संबंध में ग्रीनमैन विरल देसाई ने कहा, "निकट भविष्य में इस स्कूल के परिसर में 'रामवन' नामक एक विशाल शहरी जंगल तैयार किया जाएगा और यहां इको सिस्टम रीस्टोरेशन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।" यदि महान विपत्तियों से बचने के लिए राम शब्द ही एक है, तो राम के सम्मान में ऐसा वन तैयार किया जाए, तो प्रदूषण से संबंधित कई समस्याएं नष्ट हो जाएंगी। आखिर प्रकृति संवर्धन से भी राम की आराधना की जा सकती है। इस तरह कई पक्षियों और कीड़ों को आश्रय मिलेगा और सचिन क्षेत्र के हजारों लोगों को अच्छी मात्रा में ऑक्सीजन मिलेगी।'

इस प्रोजेक्ट के तहत लोगों से निकट भविष्य में भगवान राम से जुड़ने की अपील की जाएगी और लोग रामावन के पेड़ों को भी अपना सकेंगे। इस संबंध में संगठन की ट्रस्टी और सूरत की पूर्व मेयर गीताबेन देसाई ने कहा, 'एक किसान की बेटी होने के नाते मुझे बहुत खुशी है कि पर्यावरण के लिए कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके विरलभाई हमारे संगठन से जुड़े हैं रामवन की वजह से हमारे बच्चे स्वस्थ वातावरण में रह सकेंगे और पढ़ाई कर सकेंगे और उन्हें पेड़ों के साथ-साथ पर्यावरण के बारे में भी शिक्षित किया जाएगा। यह प्रोजेक्ट हमारे बच्चों को घर जैसा माहौल और अपनेपन की भावना देगा।'

कच्छ में नाव पलट जाने पर आर्मी के छह जवान पानी में

अहमदाबाद ।

कश्मीर सीमा पर तनाव की वजह से कच्छ सीमा पर नाव पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है । इस दौरान सोमवार को कच्छ में कोरी क्रीक क्षेत्र में बीएसएफ के जवानों ने भारतीय सेना के जवानों को डूबते हुए बचाया था । सेना के जवान नियमित अभ्यास कर रहे थे इस दौरान समुद्र में अचानक उठी ऊंची हुई लहरों की वजह से सेना की नाव पलट गई थी । इसी वजह से नाव में सवार सेना के छह जवान डूबने लगे थे । सीमा पर लगातार अलर्ट पर रहते बीएसएफ के जवानों को इस दुर्घटना के मामले में तुरंत ही खबर मिल गई थी । जिसके बाद में वह स्पीड नाव से मदद के लिए पहुंच गये और सभी जवानों को सुरक्षित निकाल लिया गया । सभी जवानों को बचाकर लक्की नाला किनारे पर ले गये । यहां से एंबुलेंस के द्वारा अस्पताल भेजा गया । सेना के जवानों को बचाने के लिए बीएसएफ की टीम द्वारा की गई तुरंत कार्रवाई की वजह से उनको नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है । कच्छ की सीमा के सामने पार पाकिस्तान नौसेना के कमांडो को तैनात कर रहे होने की रिपोर्ट बाद बीएसएफ तरफ से सीमा पर पेट्रोलिंग बढ़ा दिया गया है । इस मामले में बीएसएफ को इनपुट मिलने को कहा जा रहा है । हालांकि, हर वर्ष १५ अगस्त निकट आये तब ऐसे भी पेट्रोलिंग को बढ़ाया

जाता है । सूत्रों का कहना है कि कच्छ की सीमा पर सामने पार बीएसएफ को विशेष गतिविधि देखने को मिली है । जिसकी वजह से भारत ने भी पेट्रोलिंग बढ़ा दी है । सामने की सीमा पर पीएमसी के रेंजर्स की जगह नौसेना कमांडो ले रहे होने की इनपुट बीएसएफ को मिलने के बाद पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है । उल्लेखनीय है कि कच्छ की सीमा में रेगिस्तान, समुद्र और क्रीक शामिल है । जिसमें से अधिकतर क्षेत्र की सुरक्षा बीएसएफ के जवान करते है । कच्छ की सीमा पर हमेशा बीएसएफ की चुस्त व्यवस्था रहती है । १५ अगस्त को लेकर पाकिस्तान तरफ से यदि कोई हमला किया गया तो इसका मुहतोड़ जबाव दिया जा सके इसके लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है ।

नारोल में गब्बर ने मूर्तिकार से फिरौती मांगने से सनसनी

वस्त्रापुर में करोड़ों की लूट का प्रयास और अब नारोल में फिरौती के लिए मूर्तिकार पर फायरिंग की घटना हुई

अहमदाबाद ।

शहर में कानून और व्यवस्था जैसे बिगड़ रही हो ऐसा लग रहा है । शहर में एक के बाद एक ऐसे २० दिन में हत्या के ८ मामले हुए हैं । अब वस्त्रापुर में करोड़ों की लूट का प्रयास और अब नारोल में फिरौती के लिए मूर्तिकार पर फायरिंग की घटना हुई है । अपराधियों को जैसे कि पुलिस का कोई डर नहीं हो ऐसा लग रहा है । अहमदाबाद के नारोल क्षेत्र में मंगलवार शाम को फायरिंग की घटना सामने आई है । नारोल क्षेत्र में स्थित रामदेव एस्टेट में मूर्ति बनाते ५५ वर्षीय मूर्तिकार परमसुख प्रजापति को दो दिन पहले अज्ञात ने फोन करके पांच लाख रुपये की फिरौती मांगी गई थी । २३ तारीख को मिली धमकी को लेकर मूर्तिकार ने शिकायत दर्ज कराई थी । शिकायतकर्ता ने फिरौती के लिए धमकी देने वाले व्यक्ति का नाम पूछा तो गब्बर बोल रहे होने का बताया । मूर्तिकार को था कोई मजाक मस्ती कर रहा है । जबकि वह कारीगर के साथ कारखाना पर मौज

द था इस दौरान तीन बाइक सवार उनके कारखाने आते है इसमें एक व्यक्ति ने बाइक पर उतरकर मूर्तिकार पर फायरिंग करता है इसके बाद तीन शख्स वहां से फरार हो जाते है । यह पूरा मामला कारखाने के बाहर लगे सीसीटीवी में कैद हुई है । जबकि यह मामला हुआ उस समय में मूर्तिकार सहित पांच लोग मूर्ति बनाने का काम कर रहे थे । हाल में मूर्तिकार को मामूली चोट आई है और यह बनाई गई मूर्ति भी खंडित हो गई है । पूरे मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस का काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया और पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर जांच शुरू कर दी है ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)